Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 264
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

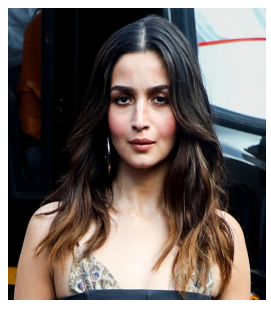

3 पंडित दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान एकात्म मानव ...

4 कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से कौशल के स्तर...

7 भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा...

नवरात्रि का आठवां दिन

मां महागौरी

नवरात्रि 2023 का पर्व भक्त श्रद्धा और आस्था के साथ मना रहे हैं. नवरात्रि में नौ दिनों तक व्रत रखे जाते हैं मां भगवती के नौ रूपों की पूजा की जाती है. लेकिन नवरात्रि के अष्टमी और नवमी दिन को महत्वपूर्ण माना जाता है. नवरात्रि का आठवां दिन मां महागौरी को समर्पित है.

बता दें कि, नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कुष्मांडा, पांचवे दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी और सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की गई. अब नवरात्रि के आठवें दिन यानी कि आज मां दुर्गा की आठवीं शक्ति मां महागौरी की पूजा की जाएगी. मां महागौरी की पूजा-अर्चना करने से भक्तों के सभी पाप कर्म धुल जाते हैं शुभ फलों की प्राप्ति होती है.

महागौरी का स्वरूप

महागौरी के वस्त्र और आभूषण सभी सफेद हैं. इसलिए मां को सफेद रंग प्रिय है. पूजा में भी मां को सफेद चीजें और भोग अर्पित किए जाते हैं. सफेद रंग प्रिय होने के कारण इन्हें श्वेताम्बरधरा भी कहा गया है. मां का वाहन वृषभ है और इनकी चार भुजाएं हैं. ऊपर वाले दाहिने हाथ में अभय मुद्रा है और नीचे वाले हाथ में त्रिशूल है. ऊपर वाले बाएं हाथ में मां ने डमरू धारण किया है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है. मां की पूरी मुद्रा बहुत शांत है. मां महागौरी का पूजा मंत्र है-

मां महागौरी की कथा

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति मां महागौरी की पौराणिक कथा के अनुसार, मां ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की. तपस्या के दौरान मां हजारों वर्षों तक निराहार रहीं, जिस कारण इनका शरीर काला पड़ गया था. जब मां की कठोर तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न हुए तो उन्होंने मां को पत्नी के रूप में स्वीकार किया और इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर अत्यंत कांतिमय बना दिया, जिस कारण इनका काला रंग गौर वर्ण जैसा हो गया. इसके बाद मां पार्वती के इस स्वरूप को महागौरी के नाम से जाना गया.

मंत्र

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया?

भाजपा सत्ता नहीं, सेवा के लिए सरकार में: पीएम मोदी बोले-विकास और विरासत मंत्र से बढ़ेंगे आगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नवरात्र के इन पावन दिनों में आज दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। ये नए सपनों और नए संकल्पों से भरा पल है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना को 45 वर्ष हो चुके हैं। अटल जी, आडवाणी जी, नाना जी देशमुख, राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी, मुरली मनोहर जोशी जी... ऐसे अनेक व्यक्तित्वों के आशीर्वाद और परिश्रम से ये पार्टी आगे बढ़ी है।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि लेकिन जिस बीज से भाजपा आज इतना बड़ा वटवृक्ष बना है, उसका रोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था। तब डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी। और उसी दौर में दिल्ली जनसंघ को भी वैद्य गुरुदत्त जी के रूप में अपना पहला अध्यक्ष मिला। 1980 में जब भाजपा की स्थापना हुई तो वीके मल्होत्रा जी को दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। आज दिल्ली भाजपा जिस मजबूती में है, वो बीते दशकों में हमारे लाखों कार्यकर्ताओं के

त्याग और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ साहनी जी, साहिब सिंह वर्मा जी, मदनलाल खुराना जी...ऐसे अनेक दिग्गज नेताओं ने हमें सेवा की अमिट राह दिखाई। अरुण जेटली जी और सुषमा स्वराज जी जैसे कितने ही व्यक्तित्वों ने पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मोदी ने कहा कि दिल्ली और बीजेपी का संबंध सिर्फ एक शहर और पार्टी का नहीं है। ये संबंध सेवा, संस्कार और सुख-दुख की साथी होने का है। पहले जनसंघ के रूप में और फिर भाजपा के रूप में... हमारी पार्टी दिल्ली के दिल से, दिल्ली के हितों से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के अंतराल के बाद, अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है। दिल्ली की जनता ने अपने बेहतर भविष्य के सपने और उम्मीदें भाजपा में लगाई हैं। इसलिए, नए प्रदेश कार्यालय में बैठे हर जनप्रतिनिधि की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। दिल्ली भाजपा, हमारी सरकार, दिल्ली की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए जी-जान से जुटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए नए घर बनाना, दिल्ली के सैकड़ों सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को बेहतर बनाना, दिल्ली में सैकड़ों इलेक्ट्रिक बसें चलाना, यमुना नदी की सफाई के लिए दिन-रात काम करना, यमुना नदी के किनारे और शहर के अन्य हिस्सों में आलीशान रहने की जगहें बनाना... जब दिल्ली भाजपा सरकार और दिल्ली भाजपा कार्यालय इसी तरह कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे, तो हम एक विकसित भारत और एक विकसित दिल्ली के सपने को और तेज़ी से पूरा कर पाएँगे।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकारों ने देश को सुशासन का एक नया मॉडल दिया है। हम विकास और विरासत के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने देश और देशवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमने देश को बड़े-बड़े घोटालों से मुक्त कराया है... हमारी सरकारों का ध्यान डिलीवरी पर है, और आम आदमी की बचत बढ़ाने पर भी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए कोई भी भाजपा कार्यालय किसी देवालय से, किसी मंदिर से कम नहीं है। कोई भी भाजपा कार्यालय सिर्फ इमारतें नहीं है, ये मजबूत कड़ियां हैं, जो पार्टी को जमीन से, जन-अपेक्षाओं से जोड़े रखती है। भाजपा सत्ता के लिए नहीं, सेवा के लिए सरकार में है। ये कार्यालय इसी चेतना को जागृत रखते हैं।

सीमा के पास ग्रामीणों के साथ मैच देख रहे थे जवान, भारत के जीतते ही जो हुआ उसे देखकर दुश्मन के उड़े होश

जयपुर। एशिया कप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो पूरा देश झूम उठा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले की सीमावर्ती चौकियों पर यह जश्न किसी त्योहार से कम नहीं था। ग्रामीणों ने बड़े परदे और मोबाइल स्क्रीन पर सांसें थामकर मैच देखा। भारतीय खिलाड़ियों के हर चौका-छक्के पर जहां ताली और ढोल-नगाड़ों की थाप गूंजती रही, वहीं निर्णायक क्षण में सेना के जवान भी गांववालों के साथ जश्न मनाते रहे।

जैसे ही भारत ने विजयी रन बनाया, पूरा इलाका 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूंज उठा। ग्रामीण महिलाएं थालियां बजाने लगीं, बच्चे तिरंगा लहराते दौड़ पड़े और जवानों ने सीमा चौकियों पर सलामी दी। सीमा से लगे गांवों में देर रात तक ढोल-नगाड़ों, पटाखों और नृत्य का माहौल रहा। यह नजारा ऐसा था मानो हर दिल की धड़कन टीम इंडिया के साथ बंधी हो। जवानों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर मिठाई बांटी और जीत का जश्न साझा किया। पुंछ के एक ग्रामीण ने भावुक होकर कहा- 'आज यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं, बल्कि देश की जीत है।

बिहार को नीतीश सरकार की बड़ी सौगात: 11,921 करोड़ की 20,658 योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में रिमोट के माध्यम से 11,921 करोड़ रुपये की 20,658 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यारंभएवं उद्घाटन किया। इसके अंतर्गत 7,805 करोड़ रुपये की लागत से जन सुविधा एवं विकास से संबंधित 16,065 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यारंभ तथा 4,116 करोड़ रुपये की लागत की 4,593 योजनाओं का उद्घाटन कार्य शामिल है। आज के कार्यक्रम के अंतर्गत भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, पशु एवं मत्स्य संसाधन, समाज कल्याण, परिवहन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, खेल, श्रम संसाधन, राजस्व एवं भूमि सुधार, कला संस्कृति एवं युवा, आपदा प्रबंधन, गृह, कृषि, सामान्य प्रशासन एवं वाणिज्य कर विभाग के भवनों के निर्माण से संबंधित 997 करोड़ रुपये लागत की 97 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यारंभ तथा 2467 करोड़ की लागत से 137 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। साथ ही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अंतर्गत छूटे हुए टोलों में पेयजल आपूर्ति तथा बहुग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित 5190 करोड़ रुपये की लागत की 15670 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यारंभ एवं 1377 करोड़ रुपये की लागत की 4312 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन, अनुमंडलीय अस्पताल, औषधि भंडार गृह एव स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से संबंधित 1121 करोड़ रुपये की लागत की 281 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यारंभ एवं 272 करोड़ की लागत की 144 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा पर्यटन विभाग के अंतर्गत 497 करोड़ की लागत से पर्यटन के विकास से संबंधित 17 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही, लघु जल संसाधन विभाग के तहत मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के 13,716 लाभार्थियों के खाते में 81 करोड़ 29 लाख रुपये का डी0बी0टी0 के माध्यम से अंतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के शिलान्यास, कार्यारंभ एवं उद्घाटन कार्य के लिए सभी संबद्ध विभाग को बधाई देता हूं। इन योजनाओं के शुरू होने से राज्य में विकास कार्यों को नयी गति और दिशा मिलेगी। इसका प्रत्यक्ष लाभ लोगों को मिलेगा, जिससे उनका जीवन-स्तर और बेहतर होगा। कार्यक्रम के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, स्वास्थ्य एवं पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि एवं लघु जल संसाधन विभाग के सचिव बी0 कार्तिकेय धनजी ने अपने अपने विभाग की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी।

लेह निकाय का केंद्र से बातचीत से इनकार, 'राष्ट्र-विरोधी' टिप्पणी पर माफी की मांग

लेह। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने सोमवार को घोषणा की कि वह केंद्र के साथ निर्धारित वार्ता का बहिष्कार करेगी और 24 सितंबर को सुरक्षा बलों द्वारा की गई गोलीबारी की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग करेगी। गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और लगभग 90 अन्य घायल हुए थे। केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों, जिनमें लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल थे, के बीच अगले दौर की वार्ता 6 अक्टूबर को निर्धारित थी।

एलएबी, जो केडीए के साथ मिलकर लद्दाख के राज्य के दर्जे और संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है, ने लद्दाखी प्रदर्शनकारियों को राष्ट्र-विरोधी और पाकिस्तान के हाथों में खेलने वाला कहने के लिए केंद्र से माफी की भी मांग की। यह मांग लद्दाख में छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच आई है। एलएबी और केडीए दोनों ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन पर पिछले हफ्ते लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों को ठीक से न संभालने का आरोप लगाया है। केडीए नेता सज्जाद कारगिली ने इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग करते हुए कहा, 'जिस तरह से गोलियाँ चलीं और कई लोग घायल हुए, उसकी कुछ जवाबदेही होनी चाहिए। यह इस बात का एक बड़ा उदाहरण है कि हमें लोकतंत्र की आवश्यकता क्यों है। प्रमुख जलवायु कार्यकर्ता और लद्दाख राज्य के लिए आंदोलनकारी सोनम वांगचुक की कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तारी ने क्षेत्र में आक्रोश को और बढ़ा दिया है। उन्हें जोधपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है, और उनके समर्थकों का कहना है कि उनकी गिरफ्तारी ने लद्दाख के संघर्ष को देशव्यापी रूप दे दिया है।

केडीए ने लेह में 24 सितंबर की हिंसा के बाद हिरासत में लिए गए वांगचुक और अन्य लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग की है। कारगिली ने कहा लद्दाख के संघर्षों के बारे में बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद, यह मुद्दा और लद्दाख की मांगें देश के हर घर तक पहुँच गई हैं।

'उन्नत तकनीकी कौशल अपनाए युवा', राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- आप ही बनाएंगे भारत का भविष्य

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत तकनीक-आधारित विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे समय में युवाओं के लिए जरूरी है कि वे उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं और समय के साथ खुद को ढालें। उन्होंने कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक प्रगति के असली इंजन होते हैं।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन देशों के पास अत्यधिक प्रशिक्षित कार्यबल होता है, वे वैश्विक चुनौतियों का बेहतर सामना कर पाते हैं और विकास के नए अवसरों का लाभ उठाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को 'विश्व की स्किल कैपिटल' बनाने में प्रशिक्षु अधिकारियों की भूमिका अहम होगी।

सांख्यिकीय सेवा की भूमिका

इस अवसर पर भारतीय सांख्यिकीय सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से भी मुलाकात हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि नीतियों के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण बेहद जरूरी है। आज के डेटा-आधारित दौर में सांख्यिकी का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सही और मापने योग्य संकेतक ही शासन को मजबूत और पारदर्शी बना सकते हैं।

इंजीनियरिंग सेवा पर विचार

राष्ट्रपति ने केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इंजीनियर किसी भी देश की तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास के अहम स्तंभ होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है, ऐसे में इंजीनियरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने साथ ही सतत विकास की दिशा में भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

डिजिटल बदलाव और पारदर्शिता

मुर्मू ने कहा कि भारत सामाजिक-आर्थिक और डिजिटल परिवर्तन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। नई तकनीकों के अपनाए जाने से शासन में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है। ये तकनीकी पहलें लगातार डेटा उपलब्ध कराती हैं, जिससे सरकार को बेहतर और प्रभावी निर्णय लेने में मदद मिलती है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी का कांग्रेस पर जोरदार हमला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने आज सोमवार को भारतीय क्रिकेट टीम की दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर शानदार जीत की सराहना की और कहा कि यह एशिया कप में भारत की 9वीं विजय है। इस टूर्नामेंट में भारत ने लगातार तीन बार पाकिस्तान को हराकर जीत की हैट्रिक बनाई। भारतीय टीम ने इस एशिया कप में सभी मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। इसके लिए निश्चित रूप से भारतीय क्रिकेट टीम, कप्तान सूर्यकुमार यादव और सभी साथी खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ बधाई के पात्र हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हो या खेल का मैदान, निष्कर्ष एक ही है, भारत की शानदार जीत। परंतु दुख का विषय है और आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी या प्रियंका गांधी का अभी तक भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कोई बधाई संदेश नहीं आया। मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि खेलों को राजनीति से अलग रखिए। आपके मन में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लिए जो भी खीज, ईर्ष्या, द्वेष या इनफिरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स हो, उसके कारण भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर कोई छाया मत डालिए। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि कांग्रेस की यूपीए सरकार में गृह मंत्री रहे पी. चिदंबरम का भी एक बयान आया है। पी. चिदंबरम ने कहा है कि 26/11 के हमले के बाद, जब वह गृहमंत्री बने, तो उनका विचार था कि पाकिस्तान पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन तत्कालीन पार्टी नेतृत्व ने उसकी अनुमति नहीं दी। अब इससे स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान के साथ डील करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के मन का रुझान क्या था। 26/11 हमले के मात्र 9 महीने बाद, मिस्र के शर्म-अल-शेख में जॉइंट डिक्लेरेशन में जिस तरह भारत को शर्मसार किया गया।

राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने के लिए भाजपा नेता पर मामला दर्ज

नई दिल्ली। पुलिस ने भाजपा नेता प्रिंटू महादेवन के खिलाफ टेलीविजन बहस के दौरान उनके उस कथित बयान के लिये सोमवार को मामला दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गोलियां चलाई जाएंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सचिव श्रीकुमार सी.सी. की शिकायत के आधार पर पेरामंगलम पुलिस ने यह मामला दर्ज किया। एबीवीपी के पूर्व नेता महादेवन ने 26 सितंबर को एक मलयालम समाचार चैनल पर एक बहस के दौरान बांग्लादेश और नेपाल में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा करते हुए यह टिप्पणी की थी।

उन्होंने कथित तौर पर कहा कि भारत में इस तरह के विरोध प्रदर्शन संभव नहीं हैं, क्योंकि यहां के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी की ऐसी कोई इच्छा है, तो "गोली उनके सीने में दाग दी जाएगी।"

प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता

की धाराओं का हवाला दिया गया है, जिनमें धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना), धारा 353 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), और धारा 351(2) (आपराधिक धमकी) शामिल हैं।

इस टिप्पणी के बाद, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूरे केरल में महादेवन और भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि यह "धमकी केवल किसी छोटे पदाधिकारी का लापरवाही भरा बयान मात्र नहीं" है।

उन्होंने चेतावनी दी कि त्वरित, निर्णायक और सार्वजनिक रूप से कार्रवाई न करने को मिलीभगत माना जाएगा। उन्होंने कहा, "देश राज्य पुलिस के माध्यम से तत्काल और अनुकरणीय कानूनी कार्रवाई की मांग करता है, ताकि न्याय शीघ्र, स्पष्ट और कठोर हो।" सांसद शफी परंबिल और रमेश चेन्नितला सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी महादेवन की टिप्पणी की निंदा की और पुलिस कार्रवाई का आग्रह किया।

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, "हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।" गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी।

महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया गया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं। सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यमुना नदी के तट पर पूजा करने संबंधी रोक के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में छठ पर्व के लिए दिल्ली सरकार ने उद्यानों और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों अस्थायी कुंड बनाए थे।

'दशहरा रैली रद्द कर, बाढ़ राहत के धनराशि दें', बीजेपी की उद्धव से मांग; राउत बोले- आयोजित होगा कार्यक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में बाढ़ से बिगड़े हालात को देखते हुए भाजपा ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से दशहरा रैली रद्द करने और उसका खर्च मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद में लगाने की मांग की है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने सोमवार को कहा कि मराठवाड़ा के कई इलाके भारी बारिश और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। लोग सब कुछ खो चुके हैं। उद्धव ठाकरे ने हाल ही में पांच जिलों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी पीड़ा सुनी। अब सिर्फ संवेदना व्यक्त करने का समय नहीं है, बल्कि कार्रवाई का समय है।

यह उनके लिए प्रायश्चित करने का समय है- केशव

उन्होंने कहा, 'यदि ठाकरे सच में लोगों के प्रति संवेदनशील हैं तो उन्हें दशहरा रैली रद्द कर उसका पैसा बाढ़ राहत कार्यों में लगाना चाहिए। इससे उनके दुख-सहानुभूति वाले बयान का सही

अर्थ निकलेगा।' केशव उपाध्ये ने आरोप लगाया कि जब ठाकरे मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने संकट के समय कोई ठोस कदम नहीं उठाया। 'यह उनके लिए प्रायश्चित करने का समय है।'

उद्धव ठाकरे की रैली पर साधा निशाना

भाजपा नेता ने उद्धव ठाकरे की रैली की सामग्री पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बाल ठाकरे के समय दशहरा रैली विचारधारा को दिशा देने का मंच होती थी, लेकिन अब यह सिर्फ दूसरों को गद्दार कहने और अपनी पार्टी चोरी होने का रोना रोने तक सीमित हो गई है।

भाजपा से सलाह लेने की जरूरत नहीं- संजय

इस पर पलटवार करते हुए संजय राउत ने कहा कि भाजपा से सलाह लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ कर दिया कि दशहरा रैली इस साल भी 2 अक्तूबर को शिवाजी पार्क में आयोजित होगी। संजय राउत ने कहा, 'अतीत में भी भारी बारिश के बाद रैली हुई है। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र की राजनीति को दिशा देने वाला है।'

केंद्र सरकार पर दबाव डालें मुख्यमंत्री- राउत

संजय राउत ने किसानों के लिए 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की मदद की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार पर दबाव डालें। उन्होंने कहा 'जब तक दिल्ली से किसानों के लिए पर्याप्त मदद नहीं आती, मराठवाड़ा के किसानों को राहत नहीं मिलेगी।' मराठवाड़ा के कई जिलों में हाल ही में भारी बारिश के कारण बाढ़ और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल-इंदौर (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशलः ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 01 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इंदौर से 17.00 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 2 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या की 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 30 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बारिश के कहर की असली तस्वीर पांच अक्टूबर तक सामने आएगी : मंत्री बावनकुले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को संकेत दिया कि राज्य में अत्यधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को दिवाली से पहले मुआवजा मिल सकता है। बावनकुले ने यहां संवाददाताओं से कहा, बाढ़ से हुए नुकसान की वास्तविक तस्वीर पांच अक्टूबर तक सामने आएगी। हम दिवाली से पहले किसानों को वित्तीय सहायता देने की कोशिश करेंगे। किसानों को सहायता देने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक प्रावधान हैं।''

दिवाली का त्योहार 18 अक्टूबर को धनतेरस से शुरू होकर 23 अक्टूबर को भाई दूज तक चलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानदंडों के तहत मुआवज़ा पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि किसानों ने अधिक सहायता की मांग की है। बावनकुले ने ज़ोर देकर कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने

के लिए कदम उठाएगी कि किसानों को एनडीआरएफ के तहत निर्धारित राशि से ज़्यादा मिले। उन्होंने कहा, ''मेरी राय है कि सभी ज़िला संरक्षक मंत्रियों को जिलाधिकारियों के साथ बैठक करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजस्व अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गहन सर्वेक्षण करें। इसके लिए सचेत प्रयास होना चाहिए। अगर गलत जानकारी दर्ज की गई तो इसका किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

90 लाख रुपये की चोरी हुई संपत्ति वापस-मूल मालिकों

डीसीपी राकेश ओला के नेतृत्व में जोन 7 पुलिस का शानदार प्रदर्शन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।पुलिस ने आभूषण, मोबाइल और वाहन सहित 89 लाख 78 हजार 508 रुपये की चोरी हुई संपत्ति बरामद की है और इसे मूल मालिकों को वापस कर दिया है। इस बीच, यह संपत्ति घाटकोपर, पंतनगर, विक्रोली, पार्क साइट, भांडुप, कांजुरमार्ग, मुलुंड, नवघर पुलिस स्टेशनों की सीमाओं से चुराई गई थी। यह संपत्ति मूल मालिकों को परिमंडल 7 के पुलिस उपायुक्त राकेश ओला के हाथों से भांडुप पुलिस स्टेशन जैनम हॉल मूल मालिकों को वापस दिया गया है।

चोरी और गुम हुए आभूषण, मोबाइल, वाहन और अन्य मूल्यवान संपत्ति वापस करने के लिए भांडुप के जैनम हॉल में एक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में, परिमंडल 7 के 8 पुलिस स्टेशनों से जब्त की गई संपत्ति शिकायतकर्ताओं को वापस कर दी गई।इस कार्यक्रम में मोबाइल चोरी, जबरन वसूली, स्नैचिंग, सेंधमारी और अन्य अपराधों में जब्त की गई संपत्ति शामिल थी।

पश्चिम रेलवे ने जीता प्रतिष्ठित कौल गोल्ड कप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित कौल गोल्ड कप जीत लिया है। यह कप भारतीय रेल पर खेल जगत में समग्र वर्चस्व का प्रतीक है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि खेल के क्षेत्र में पश्चिम रेलवे के प्रभुत्व और उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया और संगठन का नाम रोशन किया है। पश्चिम रेलवे की प्रतिभाशाली पहलवान सुश्री अंतिम

ने हाल ही में क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में आयोजित सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 53 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस टूर्नामेंट में पश्चिम रेलवे के कर्मचारी एवं वरिष्ठ रेफरी श्री सत्यदेव मलिक ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए अपनी विशेषज्ञता और सतर्क पर्यवेक्षण से चैंपियनशिप को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

विनीत ने आगे बताया कि पश्चिम रेलवे ने अगस्त, 2025 में जयपुर में आयोजित 71वीं अखिल भारतीय अंतर-रेलवे टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप 2025-26 में भी विजय का जश्न मनाया। पश्चिम रेलवे की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री अनुषा कुटुम्बले ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम रेलवे की महिला टेबल टेनिस टीम ने भी अपनी छाप छोड़ते हुए टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया।

महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने विजेताओं को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने-अपने खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और संस्थान के साथ-साथ देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

45 लाख रुपये के गबन के आरोप में दो गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। गोवंडी पुलिस ने दो श्रमिकों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने अपने मालिक की कार में रखे 45 लाख रुपये नकद चुरा लिए और बिहार भाग गए। उनके नाम नितेश रामविलास महतो और दीपक कुमार रामविलास महतो हैं। इस दौरान पुलिस ने 36 लाख 35 हजार 600 रुपये नकद जब्त किए हैं।

मालिक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से खोज करने के बाद गोवंडी पुलिस ने यह गबन करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 19 सितंबर को रात 8 बजे हुई। इसमें शिकायतकर्ता, भक्ति पार्क, वडाला के निवासी तेप्रकाश डांगी, शिकायतकर्ता के लिए ड्राइवर के रूप में काम कर रहे थे, नितेश कुमार महतो और राहुल कुमार महतो, जो शिकायतकर्ता के नौकर थे इस संबंध में शिकायतकर्ता ने आरोपियों पर मिलीभगत से चोरी करने का आरोप लगाते हुए गोवंडी पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 306, 316(4), 316(5), 3(5) के तहत मामला दर्ज कराया था।

तदनुसार, पुलिस ने जांच की और तुरंत

आरोपियों की तलाश की क्योंकि वे बिहार के एक दूरस्थ क्षेत्र के निवासी थे। इस संबंध में, परिमंडल 6 के पुलिस उपायुक्त समीर शेख के मार्गदर्शन में, गोवंडी पुलिस स्टेशन के अधिकारी और अपराध जांच दल के अधिकारी तुरंत मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार पहुंचे। इस टीम ने गुप्त मुखबिरों और तकनीकी जांच के आधार पर लगातार 6 दिनों तक यहां आरोपियों की तलाश की। उसके बाद, अंततः बड़ी कुशलता के साथ दोनों को समस्तीपुर क्षेत्र के एक दूरस्थ क्षेत्र से ढूंढ निकाला गया और गिरफ्तार किया गया।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, सह पुलिस आयुक्त (का.व.सु) सत्यनारायण चौधरी, अपर पुलिस आयुक्त (पूर्व प्रादेशिक विभाग महेश पाटिल, पुलिस उपायुक्त समीर शेख, सहायक पुलिस आयुक्त रामराव ढिकले के मार्गदर्शन और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरीनाथ सावंत, के देखरेख में पुलिस निरीक्षक क्राइम क्षीरसागर, अधिकारी निलेश पोल की टीम अपराध जांच अधिकारी नंदूलाल पाटिल, गाडे, मोकाटे (देवनार पुलिस स्टेशन मुंबई), नागे, सालुंखे, जोशी, देसाई, चव्हाण, हंबीर, कोली, देवकते, घाटगे, मालवी, काकड़े, आठरे, राणे (तकनीकी सहायता) द्वारा यह कार्य सफलतापूर्वक किया गया है।

सूचना का अधिकार दिवस के अवसर पर नवी मुंबई के स्कूलों में जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

12 सितंबर के सरकारी परिपत्र के अनुसार, सूचना का अधिकार दिवस, जो 20 सितंबर 2008 के सरकारी निर्णय के अनुसार 28 सितंबर को मनाया जाना था, सार्वजनिक अवकाश के कारण सोमवार 29 सितंबर 2025 को मनाया गया। इस दिवस के अवसर पर, नवी मुंबई नगर निगम की वेबसाइट www.nmmc.gov.in पर सूचना के अधिकार से संबंधित सभी विभागों की जानकारी अद्यतन की गई। इसी प्रकार, सूचना के अधिकार पर एक कार्यशाला की योजना बनाई गई।

सूचना का अधिकार दिवस के अवसर पर, नवी मुंबई नगर निगम के सभी प्रबंधन और मीडिया स्कूलों में सूचना का अधिकार दिवस मनाया गया। इसके माध्यम से, देश के भविष्य, नई पीढ़ी को सूचना के अधिकार के बारे में शिक्षित करने का उद्देश्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। इसमें स्कूल स्तर पर निबंध प्रतियोगिता, वक्तृत्व प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुछ स्कूलों में सूचना के अधिकार पर व्याख्यान भी आयोजित किए गए। सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों और नियमों की जानकारी सभी नागरिकों और विद्यार्थियों को हो, इसके लिए विद्यालयों में अभिभावक बैठकों के माध्यम से जानकारी दी गई। कुछ विद्यालयों ने अधिकतम

नागरिकों में सूचना के अधिकार के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी भाग लिया। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार, नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में उपलब्ध सूचनाओं तक पहुँच का अधिकार है। इस अधिनियम के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने के लिए निर्धारित आवेदन किए जा सकते हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा जारी विभिन्न निर्णयों और नियमों की जानकारी दी गई। सूचना प्रदान करने की प्रक्रिया, सूचना प्रदर्शित करने की प्रक्रिया और अपील के प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल ⇌ इंदौर के बीच विशेष ट्रेनों के फेरों का विस्तार

ट्रेन संख्या	से	तक	सेवा के दिन	तक विस्तारित
09085	मुंबई सेंट्रल	इंदौर	सोमवार, बुधवार और शुक्रवार	28.11.2025
09086	इंदौर	मुंबई सेंट्रल	मंगलवार, गुरुवार और शनिवार	29.11.2025

ठहराव, ठहराव के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09085 और 09086 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 30.09.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

-सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (सी) के प्रावधानों के अनुसार, 'आर/सेंट्रल' वार्ड से 03 प्रस्ताव, अर्थात् ज़ोन VII में वृक्षों को हटाने के लिए कुल 03 प्रस्ताव, नगर आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण, एमसीजीएम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा (8) की उपधारा (6) के अंतर्गत अनुमोदित किए जाते हैं।

उपर्युक्त प्रस्तावों में कटाई/रोपण हेतु वृक्षों की जानकारी एमसीजीएम की वेबसाइट www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है। हमारे बारे में वार्ड/विभाग विभागीय नियमावली - उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण-WS296-R/सेंट्रल, WS297-R/सेंट्रल, WS298-R/सेंट्रल।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
पेंगुइन बिल्डिंग, द्वितीय तल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान
डॉ. अंबेडकर रोड, भायखला (पूर्व),
मुंबई 400027.
दूरभाष संख्याः 23742162, ईमेलः sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/1763/विज्ञा./2025-26

कार्यकारी अभियंता यांत्रिक (दक्षिण)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पंडित दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय का प्रतीक है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री ने दीनदयाल संस्था की परियोजनाओं का निरीक्षण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना पूरा जीवन समाज के गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान उनके एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के संदेश को दूर-दूर तक फैलाने का प्रतीक बनेगा।

यवतमाल में दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री संजय राठौड़, आदिवासी विकास मंत्री प्रो. डॉ. अशोक वुइके, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हसनराज अहीर, पूर्व विधायक मदन येरावार के साथ-साथ दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष नरहर देव, पदाधिकारी ज्योति चव्हाण, डॉ. मनोज पांडे, विजय काद्रे, मनीष गंजीवाले, गजानन परसोदकर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यवतमाल में लगभग 25 वर्ष पूर्व शुरू किया गया दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान आज एक विशाल वटवृक्ष की तरह फैल गया है और आत्महत्या से पीड़ित किसान परिवारों की महिलाओं और अति पिछड़े आदिवासी पारधी समुदाय को सहायता प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतिष्ठान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस संस्था ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के विचारों पर आधारित सामाजिक परिवर्तन का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अत्यंत कठिन जीवन व्यतीत करते हुए अपनी शिक्षा पूरी की। जब सरकारी नौकरी का अवसर आया, तब भी उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। अंग्रेजों की सेवा करने के बजाय, उन्होंने अपने समाज की सेवा करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आने के बाद, वे पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने लगे। बाद में, जनसंघ की स्थापना के बाद, उन्होंने उत्तर प्रदेश प्रमुख, अखिल भारतीय महासचिव और बाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व संभाला। यह कहते हुए कि इतने उच्च पदों पर रहते हुए भी उन्होंने अपनी जीवनशैली में कोई परिवर्तन किए बिना त्याग का जीवन जिया, मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवन यात्रा के अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के समय में, विश्व में पूंजीवाद और साम्यवाद, दो विचारधाराएँ प्रबल थीं। उन्होंने इन दोनों विचारों से भिन्न एक तीसरा विचार प्रस्तुत किया। पंडित दीनदयाल ने कहा था कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का उत्तर भारतीय जीवन शैली में निहित है। एकात्म मानव दर्शन का मूल सिद्धांत 'अंत्योदय' है, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के माध्यम से राष्ट्र का विकास। उनके विचारों का केंद्रबिंदु समाज का सबसे कमजोर वर्ग था। उन्होंने यह विचार फैलाया कि यदि राष्ट्र का सर्वांगीण विकास करना है, तो सभी सुविधाएँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी अंत्योदय विचार पर काम कर रहे हैं और गरीबों के लिए घर, शौचालय, गैस, बिजली और रोजगार में निवेश कर रहे हैं। इसी नीति के कारण पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि भारत 11वें स्थान से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान ने प्राकृतिक खेती की एक आदर्श परियोजना शुरू की है और दीनदयालजी के विचारों पर काम करते हुए, किसानों के लिए प्राकृतिक खेती का एक मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल का उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करके उत्पादन लागत को कम करना और मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाना है। राज्य में 25 लाख हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाने का लक्ष्य है और अब तक 13 लाख हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया जा चुका है। साथ ही, नानाजी देशमुख कृषि समृद्धि योजना और प्राथमिक समितियों को बहुउद्देश्यीय संस्थाओं में बदलने के प्रयास जारी हैं। इसके साथ ही, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'लखपति दीदी' योजना शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य महाराष्ट्र की एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है। क्योंकि महिलाएँ ही वास्तव में परिवार का पालन-पोषण करती हैं और यदि उन्हें सशक्त बनाया जाए, तो पूरे परिवार का विकास होता है, ऐसा मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा। दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान ने भी पारधी समुदाय के विकास के लिए बहुत काम किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार पर काम करके इसने इस समुदाय का कायाकल्प किया है, जिसे एक अपराधी समुदाय के रूप में जाना जाता था। पंडित दीनदयाल जी ने समाज के लिए जो कार्य किया, वह किसी पुरस्कार के लिए नहीं था। उनके 'विचार' अमर हैं।

सामाजिक, राजनीतिक आंदोलन के 77 मामलों में राहत- मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार

मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार की अध्यक्षता में कैबिनेट उप-समिति की बैठक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। सांस्कृतिक कार्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने बताया कि सरकार द्वारा नियुक्त कैबिनेट उप-समिति ने राज्य में धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों के दौरान पुलिस में दर्ज 201 आवेदकों में से 77 आवेदकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की सिफारिश की है।

राज्य में राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों के दौरान दर्ज मामलों को वापस लेने के संबंध में सरकार द्वारा नियुक्त कैबिनेट उप-समिति की बैठक सह्याद्री अतिथि गृह में हुई। मंत्री एडवोकेट शेलार बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विधि एवं न्याय विभाग के प्रधान सचिव उदय शुक्ला, अभियोजन निदेशालय के निदेशक अशोक भिलारे, गृह विभाग के उप सचिव चेतन निकम और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के विरुद्ध अपराध, गंभीर मामले, व्यक्तिगत और दीवानी मामले सरकार की नीति के तहत माफ नहीं किए जा सकते। इसलिए, मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा कि ऐसे मामलों में मुकदमे वापस लेने से स्पष्ट इनकार कर दिया गया है। साथ ही, विधायकों, पूर्व विधायकों, सांसदों और पूर्व सांसदों से संबंधित छह मामलों में, सरकारी निर्णय और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, अंतिम निर्णय मुंबई उच्च न्यायालय में ही लिया जाएगा। मंत्री एडवोकेट शेलार ने यह भी कहा कि इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा कि मंत्रिमंडल उप-समिति द्वारा प्राप्त 201 आवेदकों में से 77 आवेदनों पर पुनर्विचार की सिफारिश की गई है और ये मामले पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता में नियुक्त क्षेत्रीय समिति के समक्ष रखे जाएँगे।

सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं, आंदोलनकारियों और वैचारिक आंदोलनों में भाग लेने वालों के खिलाफ बिना किसी कारण के मुकदमे दर्ज किए गए। मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा कि उन्हें ऐसे अनावश्यक मुकदमों से मुक्त कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि गणेशोत्सव, नवरात्रि, दही हांडी, कोरोना काल के सामाजिक कार्यक्रम, श्रमिक आंदोलन जैसे विभिन्न संदर्भों में दर्ज मामलों पर नए आवेदनों के आधार पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इस संबंध में जल्द ही फिर से एक बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले, मंत्री एडवोकेट शेलार ने सभी गणेशोत्सव मंडलों, नवरात्रि मंडलों, सामाजिक संगठनों, संघ प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से सरकार को आवेदन प्रस्तुत करने की अपील भी की।

मुंबई RPF ने 57 किलो गाजा के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

आरपीएफ को मिली बड़ी सफलता गाजा तस्कर हुआ गिरफ्तार

मुंबईः मुंबई आरपीएफ की अपराध खुफिया शाखा कल्याण द्वारा ट्रेन नंबर 12810 हावड़ा मेल के कोच नंबर M-02 से तीन ट्रॉली बैग गांजा वजन 57 किलो कीमत अंदाजन 1140000/ रुपए के साथ 01 आरोपी को पकड़कर ज़ँ मुंबई को सुपुर्द करने कर दिया है ।

आरपीएफ़ अपराध खुफिया शाखा कल्याण के टिम ASI विजय पाटील,ASI विजय इंगले ,HC विनोद राठोड,HC-नीलकंठ गोरे ,HC मुनेश गौतम को दिनांक 28/09/25 को ड्यूटी पर तैनाती के दौरान ट्रेन न - 12810 जो हावड़ा से मुंबई आती है और ट्रेन के कोच नंबर M-2 मे सीट नंबर 73,74,75 के पास 03 बड़े ट्रॉली बैग संदिग्ध अवस्था मे दिखाई दिये जिसके संबंध मे पूछताछ करने पर आस पास के यात्रीयों ने बताया की उक्त तीनों ट्रॉली बैग ऊपर 75 नंबर सीट वाले के है पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मोहम्मद इरफान S/O- समीर मोहम्मद उम्र 24 वर्ष निवासी जिकरा मस्जिद के पास ओवे रोड रेलपार,आसनसोल जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल बताया तथा उक्त तीनों ट्रॉली बैग 01 ब्लॅक रंग की ,01 डार्क ग्रे रंग की तथा 01 ब्लू रंग की मे रखे सामान के संबंध मे पूछने पर बताया की उक्त बैग मे गाँजा है जिसे वह हावड़ा से दादर लेकर जा रहा है।

निरीक्षक CIB अपराध खूफिया कल्याण द्वारा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई को सूचना दिया गया और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई के पुलिस निरीक्षक अमोल मोरे, और पुलिस निरीक्षक सतीश स्टाफ के साथ स्टेशन पर आए तथा पकड़े हुये व्यक्ति से पूछताछ किया जिसमे उसने उपरोक्त तीनों बैग मे गाँजा होना बताया जो ट्रेन नंबर 12810 अप से हावड़ा से दादर लेकर आया था।

जिसके बाद पुलिस निरीक्षक सीआईबी कल्याण द्वारा ज़ँ मुंबई को कार्यवाही हेतु उपरोक्त तीनों गांजा सहित ट्रॉली बैग तथा पकड़े हुए व्यक्ति को अग्रिम कानूनी कार्यवाही हेतु लिखित पत्र के साथ सुपुर्द किया गया NCB मुंबई द्वारा उक्त के संबंध मे जप्ती पंचनामा के तहत पकड़े गए व्यक्ति के कब्जे से तीनों ट्रॉली बैग जिसमे प्रत्येक ट्रॉली बैग में 19 किलो गांजा तथा तीनों ट्रॉली बैग में कुल 57 किलो गांजा कीमत अंदाजन 1140000/ रुपए जप्त किया गया। NCB मुंबई द्वारा उक्त मामले में कार्यवाही की प्रक्रिया जारी हैं।

राज्य में 75,000 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मुख्यमंत्री अल्पकालिक रोजगारपरकता पाठ्यक्रम' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे - मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत महोत्सव के अवसर पर, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन विभाग ने 'मुख्यमंत्री अल्पकालिक रोजगारपरकता पाठ्यक्रम' कार्यक्रम के तहत प्रतिवर्ष 75,000 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। राज्य के 419 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और 141 सरकारी तकनीकी विद्यालयों में 9 अक्टूबर, 2025 से कुल 2,506 बैच शुरू होंगे। कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने बताया कि पहले बैच का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही ऑनलाइन करेंगे।

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि युवाओं को अल्पावधि में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करना, युवाओं के लिए कौशल आधारित स्वरोजगार के अवसर सृजित करना, महिला अभ्यर्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इस योजना का उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना महाराष्ट्र को आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में नए व्यवसायों में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित

सरकार ने राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और तकनीकी विद्यालय केंद्रों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का उपयोग करके संस्थान के समय के बाहर मुख्यमंत्री अल्पकालिक रोजगारपरकता पाठ्यक्रम कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके अनुरूप, एक मानकीकृत प्रक्रिया निर्धारित की गई है और एक ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली विकसित की गई है। अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में 25 प्रतिशत सीटें संस्थान के छात्रों के लिए आरक्षित की गई हैं और शेष सीटें बाहरी अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध होंगी। प्रशिक्षण शुल्क 1000 रुपये से 5,000 रुपये प्रति माह तक लिया जाएगा। सरकार के 419 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और 141 सरकारी तकनीकी विद्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

समय के साथ पाठ्यक्रम में बदलाव

मुख्यमंत्री अल्पकालिक रोजगारपरकता पाठ्यक्रम कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न आधुनिक और पारंपरिक रोजगारोन्मुखी अल्पकालिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएँगे। इनमें एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, एयरोस्पेस स्ट्रक्चर फिटर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा, ड्रोन तकनीक, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन हाइड्रोजन, मोबाइल रिपेयर टेक्नीशियन आदि पाठ्यक्रम शामिल हैं।

पाठ्यक्रम के लिए पात्रता

इन पाठ्यक्रमों में आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्र, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में डिप्लोमा, डिग्री प्राप्त कर चुके छात्र और कक्षा 10वीं एवं 12वीं की शिक्षा प्राप्त कर चुके छात्र शामिल होंगे। सरकार के 419 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और 141 सरकारी तकनीकी विद्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करें

रियायती शुल्क पर संचालित इस रोजगारोन्मुखी अल्पकालिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय की वेबसाइट https://admission.dvet.gov.in पर पंजीकरण कराना होगा। अधिक जानकारी और प्रवेश पंजीकरण के लिए, निकटतम सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान या सरकारी तकनीकी विद्यालय से संपर्क करने की अपील की गई है।

पाठ्यक्रम की विशेषताएँ

उभरते क्षेत्रों के पाठ्यक्रमों में महिला उम्मीदवारों के लिए 364 बैच समर्पित हैं। इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन उत्पादन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के 408 बैच हैं। आगामी कुंभ मेले के लिए 'वैदिक संस्कार जूनियर असिस्टेंट' ट्रेड के दो बैच होंगे। गढ़चिरौली एयू. पीआर संस्थान में ट्रैक्टर सर्विस मैकेनिक का एक ट्रेड कोर्स है। हरंगुल लातूर स्थित संवेद दिव्यांग निजी आईटीआई में दिव्यांग छात्रों के लिए घरेलू उपकरण, टैली और फैशन टेक्नोलॉजी में विशेष पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। वधान बंदरगाह के लिए प्रशिक्षित ड्राइवर उपलब्ध कराने हेतु प्रशिक्षण, हरित हाइड्रोजन उत्पादन व्यवसाय के लिए आठ बैच, आईटीआई दादर (गर्ल्स) में सेमीकंडक्टर तकनीशियन व्यवसाय शुरू किया जाएगा। महाराष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, गोनाडी आईटीआई और अमरावती व नागपुर के सरकारी तकनीकी उच्च विद्यालयों में उन्नत वेल्डिंग, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और उन्नत सीएनसी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएँगे।

महापारेषण के जनसंपर्क विभाग को पीआरसीआई द्वारा तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए

'सर्वश्रेष्ठ डिजिटल मीडिया नवाचार पुरस्कार', 'सर्वश्रेष्ठ हाउस जर्नल (क्षेत्रीय)' और सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट संचार उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया

पणजी (गोवा)। महाराष्ट्र राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (महापारेषण) के जनसंपर्क विभाग को भारतीय जनसंपर्क परिषद (पीआरसीआई) द्वारा स्थापित तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार गोवा विधानसभा के सभापती डॉ. गणेश गावकर के हाथों दिए गए और महापारेषण जनसंपर्क अधिकारी डा. मिलिंद आवताडे ने स्वीकार किए। पुरस्कार 'सर्वश्रेष्ठ डिजिटल मीडिया नवाचार पुरस्कार', 'सर्वश्रेष्ठ हाउस जर्नल (क्षेत्रीय)' और सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट संचार उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए दिए गए। महाट्रान्सको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. संजीव कुमार (आईएएस) ने इस सम्मान के लिए जनसंपर्क विभाग को बधाई दी।

पुरस्कार पणजी (गोवा) के फर्न कदंबा होटल में आयोजित 19 वें 'ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव' में वितरित किए गए। इस अवसर पर अभिनेता और निर्देशक मिलिंद तेंडुलकर, पीआरसीआई के अध्यक्ष एम. बी. जयराम, डा. गीता शंकर, चिन्मयी प्रवीण भी उपस्थित थे। सीएमडी डॉ. संजीव कुमार ने पीआर विभाग की सराहना की

महापारेषण के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. संजीव कुमार (आईएएस) ने सफलता का श्रेय जनसंपर्क विभाग और उसकी पूरी टीम को दिया है। उन्होंने कहा, 'रचनात्मक एवं नवोन्वेषी कार्यों तथा मीडिया में निरंतर हो रहे नए परिवर्तनों को समझते हुए जनसंपर्क विभाग विविधता के साथ सकारात्मक ढंग से अपने कार्य कर रहा है. जनसंपर्क विभाग ने फेसबुक, ट्विटर (एक्स), इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम, थ्रेड्स और विभिन्न अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों सहित सोशल मीडिया के माध्यम से इस ट्रान्समिशन कंपनी की सकारात्मक भूमिका को लोगों के सामने प्रस्तुत किया है। जनसंपर्क विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करते हुए एक अभूतपूर्व पहल को सफलतापूर्वक लागू किया है।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह विभाग भविष्य में भी महाट्रान्सको गौरवान्वित करने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा।

पर्यटन विभाग की 14 सार्वजनिक सेवाएँ अधिसूचित- पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई

'महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम 2015' के अनुसार, सेवाएँ समय पर प्रदान करना अनिवार्य है।

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने 'महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम, 2015' के अंतर्गत पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के तत्वावधान में पर्यटन निदेशालय, मुंबई और महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम, मुंबई के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को प्रदान की जाने वाली कुल 14 सार्वजनिक सेवाओं को अधिसूचित किया है। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने बताया कि इन सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा, पदाभिहित अधिकारी, प्रथम एवं द्वितीय अपील प्राधिकारी निर्धारित किए गए हैं।

पर्यटन विभाग द्वारा दिनांक 11 नवंबर 2016 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित कुल 5 सेवाओं को इस अधिसूचना द्वारा अधिगृहीत किया गया है। इस अधिसूचना से पर्यटन क्षेत्र में निवेशकों और पर्यटन इकाइयों को समय पर सरकारी सेवाएँ प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हुआ है, जिससे राज्य में पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। 'महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम, 2015' के अनुसार, यदि आवेदकों को समय पर सेवाएँ नहीं मिलती हैं, तो वे नामित प्रथम और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष अपील कर सकते हैं। पर्यटन निदेशालय की सेवाओं के लिए द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव हैं। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम की सेवाओं के लिए द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक हैं।

अधिसूचित प्रमुख सेवाएँ

महाराष्ट्र पर्यटन नीति-2024 के अंतर्गत पर्यटन निदेशालय, मुंबई द्वारा प्रदान की जाने वाली 14 लोक सेवाओं में पर्यटक संस्थाओं को अस्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करना, पात्रता प्रमाणपत्र जारी करना, स्टाम्प शुल्क छूट के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करना और आतिथ्य क्षेत्र को औद्योगिक दर्जा प्रदान करना शामिल है।

इसके अलावा, विभिन्न पर्यटन नीतियों के अंतर्गत पंजीकरण सेवाएँ भी शामिल हैं, जैसेः कृषि-पर्यटन नीति के अंतर्गत पंजीकरण, साहसिक पर्यटन नीति के अंतर्गत पंजीकरण, कारवां पर्यटन नीति के अंतर्गत पंजीकरण, महिला-केंद्रित पर्यटन नीति के अंतर्गत पंजीकरण। इसके अलावा, अन्य आवासों के पंजीकरण की सेवाओं में पर्यटक गाँव, पर्यटक अपार्टमेंट, होम स्टे और अवकाश गृहों का पंजीकरण शामिल है। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली शेष दो सेवाओं में बेड एंड ब्रेकफ़ास्ट योजना के अंतर्गत पंजीकरण और नवीनीकरण तथा महाभ्रमण योजना के अंतर्गत पंजीकरण और नवीनीकरण शामिल हैं।

'आभा' ऐप से अस्पतालों की कतारों से छुटकारा पाएँ - वाशी अस्पताल सबसे ज़्यादा ऑनलाइन पंजीकरण के साथ 'शीर्ष तीन' अस्पतालों में शामिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटलीकरण का उपयोग करके नागरिकों को बिना किसी परेशानी के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए शुरू की गई एक अभिनव पहल है, और यह 'आभा' ऐप नागरिकों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहा है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इससे नागरिकों को केस पेपर्स के पंजीकरण के लिए अस्पतालों में कतारों में लगने में लगने वाला समय बचता है और अब आभा ऐप के ज़रिए क्यूआर कोड स्कैन करके तुरंत पंजीकरण हो जाता है। चूँकि नागरिकों को केस पेपर्स के लिए कतारों में खड़े होने की परेशानी से मुक्ति मिल रही है, इसलिए प्रतिक्रिया यह है कि आभा पहल मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक वरदान है। अखिल भारतीय डिजिटल मिशन के माध्यम से, इस पहल के लिए महाराष्ट्र से 6 आदर्श अस्पतालों का चयन किया गया है, जिनमें से नवी मुंबई नगर निगम का सार्वजनिक अस्पताल, वाशी, देश भर में चुने गए 131 अस्पतालों में से एक है और सभी नगर निगम अस्पतालों में से चुना गया एकमात्र नगर निगम अस्पताल है। इस पहल को पहले दिन से ही अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और अब तक 5,36,737 टोकन दिए जा चुके हैं। इस पहल को नागरिकों से इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है कि अस्पताल आने वाले लगभग 65 प्रतिशत मरीजों का ऑनलाइन पंजीकरण हो रहा है। इससे नागरिकों को टोकन के लिए कतारों में खड़े होने की परेशानी से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है। एनएमएमपीए पब्लिक अस्पताल, वाशी को सबसे ज़्यादा 'आहा' टोकन मिले हैं और यह महाराष्ट्र के शीर्ष 3 अस्पतालों में से एक है। नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, वाशी अस्पताल के साथ-साथ, एनएमएमपीए माँसाहेब मीनाताई ठाकरे अस्पताल, नेरुल और राजमाता जिजाऊ अस्पताल, ऐरोली भी ऑनलाइन केस पेपर उपलब्ध करा रहे हैं और ये अस्पताल ऑनलाइन मरीज पंजीकरण में भी अग्रणी हैं। ऑनलाइन केस संग्रह को सक्षम करने के लिए, वाशी, नेरुल और ऐरोली के नगर निगम अस्पतालों में स्कैनर बारकोड प्रकाशित किए गए हैं। मरीजों को अपने मोबाइल पर 'आभा' ऐप डाउनलोड करना होगा और बारकोड स्कैन करना होगा। इसके बाद, मरीजों को एक टोकन नंबर मिलेगा। इससे मरीजों को केस कलेक्शन लेने या बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में डॉक्टर से मिलने के लिए कतार में लगने की ज़रूरत नहीं पड़ती। यहाँ स्क्रीन लगाई गई हैं और उन पर टोकन नंबर और किस डॉक्टर से किस रूम नंबर में मिलना है, इसकी जानकारी प्रदर्शित की जाती है।

सम्पादकीय

लद्दाख में हुए आंदोलन के मुद्दे हैं पुराने फिर भी नहीं हो रही सुनवाई, युवाओं के बीच रोजगार का बड़ा संकट

लद्दाख के लेह में जिस तरह के हालात पैदा हुए, उसके बाद केंद्र सरकार शांति कायम करने के लिए सभी स्तरों पर कार्रवाई कर रही है। मगर इसके साथ कुछ सवाल भी उठे हैं कि आखिर वहां के लोगों के सामने ऐसी स्थिति क्यों आई कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर लेह में आंदोलन पर उतरना पड़ा। उसी दौरान किन्हीं कारणों से वहां जमा लोगों ने अपना धीरज खो दिया और व्यापक अराजकता का माहौल बन गया, तो उसे संभालने के लिए सरकार की ओर से कार्रवाई को एक हद तक जरूरी माना जा सकता है।

मगर क्या इस पर भी विचार करने की जरूरत नहीं है कि लेह में आंदोलनकारियों की मांगों की पृष्ठभूमि क्या है और उसे पूरा किया जाना क्यों तथा किस हद तक जरूरी है? गौरतलब है कि पिछले हफ्ते लेह में आंदोलन के दौरान लोगों के अराजक हो जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई और हिंसा में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। फिर वहां के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके लद्दाख से बाहर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई को लद्दाख में फिर अराजकता या किसी साजिश की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। मगर सवाल है कि अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी, तो उसे समय रहते संबोधित करना और किसी ऐसे हल का खाका तैयार करना सरकार को जरूरी क्यों नहीं लगा, जिसमें सभी पक्षों की सहमति हो। लेह में आंदोलन कर रहे लोगों की मुख्य मांगें वही थी, जिसके लिए कई वर्ष पहले उनसे वादा किया गया था।

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा देने की मांग के साथ शुरू हुए आंदोलन के मुद्दे नए नहीं थे। मगर लगातार इस मसले पर टालमटोल और वहां के संबंधित पक्षों से ठोस बातचीत को लेकर सरकार की उदासीनता ने एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाई कि उसमें स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए।

जाहिर है, एक ऐसी स्थिति बन रही थी, जिसमें आंदोलनकारियों के बीच मौजूद कुछ अवांछित तत्त्वों के अराजक हो जाने की आशंका थी। मगर न तो संवाद को प्राथमिकता देकर हल खोजने की कोशिश की गई और न ही स्थानीय आबादी को विश्वास में लिया गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन के समांतर व्यापक हिंसा हुई, मगर वहां के खुफिया तंत्र को शायद इसकी भनक नहीं लगी। जबकि चीन की सीमा के पास स्थित होने की वजह से लद्दाख को बेहद संवेदनशील इलाके के तौर पर देखा जाता है और वहां की हर संभावित परिस्थिति का आकलन करके जरूरी कदम उठाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय तकाजों के मुताबिक उठे मुद्दों की बहुस्तरीय अनदेखी और उसके प्रति उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यटन को आकर्षित करने और शांतिपूर्ण जीवन तथा संस्कृति की पहचान वाले उस इलाके में हुए आंदोलन के बीच अराजकता और हिंसा ने भी अपने पांव फैला लिए। अब लेह के प्रदर्शनकारियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं और संदेह जताए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि अब तक इस संबंध में सरकार ने जांच करने की जरूरत शायद नहीं समझी थी। अब भी अगर सरकार स्थानीय आबादी की मुख्य मांगों के संदर्भ में ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए, तो किसी भी साजिश को अंजाम देना संभव नहीं हो सकता!

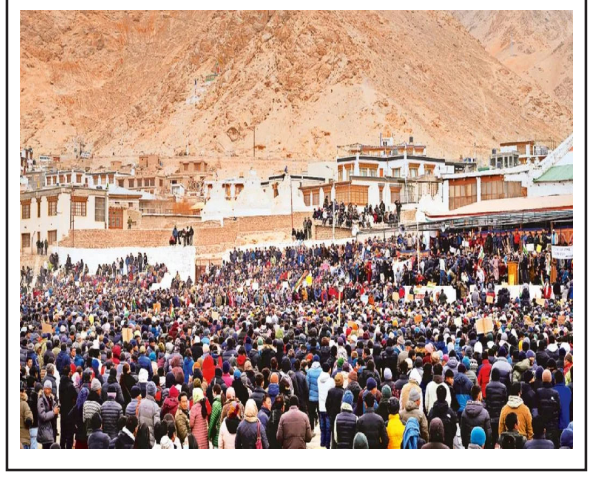

कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से कौशल के स्तर पर नए रोजगार पैदा होने की बढ़ेंगी संभावनाएं

वैश्विक स्तर पर तकनीकी विकास में भारत भी साथ-साथ कदमताल कर रहा है। घोषणा हो गई है कि हमारा देश एक डिजिटल राष्ट्र बन गया है। इंटरनेट ताकत में हमने कई पश्चिमी देशों को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, पिछले कुछ वर्षों में हम दुनिया के अग्रणी देशों की तर्ज पर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' यानी कृत्रिम मेधा के विकास का भी दावा कर रहे हैं। कृत्रिम मेधा आज के यंत्र युग में शोध और नवोन्मेष का परिणाम है, इसलिए हम इसे यंत्र मेधा भी कह सकते हैं। स्पष्ट है कि इसके व्यापक इस्तेमाल के लिए देश में काम करने के ढांचे में बदलाव करना पड़ेगा। साथ ही युवा पीढ़ी के पास डिजिटल और इंटरनेट का ज्ञान होना भी जरूरी है। इसके अलावा, कृत्रिम मेधा से प्राप्त ज्ञान के विस्तार को हमें अपने नियंत्रण में रखना होगा।

हालांकि, कृत्रिम मेधा से जुड़े वैज्ञानिक इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि इसकी असीम शक्ति कहीं इंसानी दिमाग से आगे न निकल जाए और नकारात्मक मूल्यों का सृजन करके कहीं पूरी दुनिया की प्रगति को किसी और रास्ते पर न भटका दे। मगर, इस आशंका के मद्देनजर कृत्रिम मेधा को सिरे से नकारा नहीं जा सकता। भारत आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा देश है और यहां कार्य योग्य युवा पीढ़ी में श्रम शक्ति का बाहुल्य है। इसलिए रोबोटिक कृत्रिम मेधा का मानव श्रम शक्ति पर असर पड़ सकता है।

मगर विकास के जिस आयाम तक कृत्रिम मेधा जा सकती है, वह साधारण जमा खर्च के हिसाब से परे हो जाता है। इसलिए कृत्रिम मेधा और रोबोटिक शक्तियां एक ऐसी नई सच्चाई हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। भारत में भी कृत्रिम मेधा के उपयोग को डिजिटल और इंटरनेट शक्तियों

के विकास के सहारे आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

भारत के नीति आयोग ने हाल में कृत्रिम मेधा और इंटरनेट शक्ति की संभावनाओं को लेकर एक नई रपट जारी की है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि अगले एक दशक में उत्पादन, निवेश और कृषि विकास के क्षेत्र में अगर हम कृत्रिम मेधा का उचित इस्तेमाल करें, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में 500 से 600 अरब डालर की बढ़ोतरी हो सकती है। नीति आयोग का मत है कि आने वाले दशक में अगर औद्योगिक क्षेत्र के भीतर कृत्रिम मेधा का व्यापक उपयोग होता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में 1, 726 लाख करोड़ डालर तक का महत्त्वपूर्ण योगदान हो सकता है। अगर कृत्रिम मेधा को प्रौद्योगिकी, विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित के कार्यबल का सहयोगी बना दिया जाए, तो भारत में एक मजबूत और महत्त्वपूर्ण विकासात्मक बदलाव आ सकता है। हम वैश्विक कृत्रिम मेधा मूल्य का दस से पंद्रह फीसद तक हासिल करने में सक्षम होंगे।

कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से कौशल के स्तर पर तो नए रोजगार पैदा होने की संभावनाएं बढ़ेंगी, लेकिन नीति आयोग की रपट में भी स्वीकार किया गया है कि मौजूदा रोजगार के ढांचे में निचले स्तर के अकुशल कर्मी असंबद्ध हो सकते हैं। वहीं, वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल खासा उपयोगी साबित हो सकता है। इन क्षेत्रों में सकल घरेलू उत्पाद बीस से पच्चीस फीसद तक बढ़ सकता है। भारत, रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रसंस्कृत रूप में यूरोपीय और तीसरी दुनिया के देशों को बेच रहा है। इसका लाभ हमारी पेट्रोलियम कंपनियों को मिल रहा है। इस प्रकार अगर हम अपनी विनिर्माण प्रक्रिया को कृत्रिम मेधा से जोड़ दें, तो देश की विकास दर को गति देना मुश्किल नहीं होगा। हालांकि, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है।

इस समय अगर औसत निकालें तो भारत की विकास दर 5.7 फीसद के करीब है। भले ही हम इसे दुनिया की सबसे तेज विकास दर कहते हों, लेकिन अगले दस वर्षों में जीडीपी को बढ़ाने के लिए हमें विकास दर को और ऊंचाई देनी होगी। अगर कृत्रिम मेधा का उचित इस्तेमाल हो जाए तो आठ फीसद विकास दर को हासिल करना आसान हो जाएगा। यही गति बनी रहे तो वर्ष 2047 में आजादी के शतकीय महोत्सव तक भारत के विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने में भी कोई मुश्किल नहीं होगी। यह भी हो सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका और चीन को पीछे छोड़ दे।

नीति आयोग ने भले ही कृत्रिम मेधा की संभावनाओं की बहुत उज्ज्वल तस्वीर पेश की है, लेकिन इसके रास्ते में कई अवरोध भी मौजूद हैं। सबसे बड़ा अवरोध तो देश के युवाओं को इस ज्ञान क्षेत्र की उचित शिक्षा-दीक्षा के अभाव का है। इसके लिए नई सुगम पुस्तकें तैयार करनी पड़ेंगी। नए पाठ्यक्रम बनाने पड़ेंगे और शिक्षकों को भी इस ज्ञान से पारंगत करना होगा, ताकि वे भावी पीढ़ी को इसके लिए आसानी से तैयार कर सकें। लेकिन अभी देश के शिक्षा जगत की जो सर्वेक्षण रपट हमारे पास है, वह यही कहती है कि प्रायः औसत युवा छात्र आज भी कला संकायों और विज्ञान संकायों की डिग्रियों के पीछे ही भागते हैं। आज भी वे नौकरीपेशा और स्थायी मध्यवर्गीय रोजगार पाने की मानसिकता से ग्रस्त हैं तथा कृत्रिम मेधा से प्राप्त हो सकने वाले असीम ज्ञान में पारंगत होने के लिए उत्सुक नजर नहीं आते हैं। उन्हें तो आसान शिक्षा एवं डिग्री चाहिए और ऐसा कार्य चाहिए, जो रूटीन का दफ्तरी काम हो और जो मेधा को चुनौती न दे।

जहां तक कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल का संबंध है, तो इसके लिए नकारात्मक विचार रखने वाले लोग ही ज्यादातर आगे आते हैं। जो रोजमर्रा की खबरों से लेकर चुनाव अभियानों को भी 'डीपफेक' बना देते हैं। तकनीक के इस दौर में कुछ लोग कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को दूसरों के लिए नकारात्मक दृष्टि से प्रस्तुत करते हैं। भले ही वे इस तकनीक के किसी पहलू को अपने हितों के लिए उचित मानते हों और उसके उपयोग से लाभ भी अर्जित कर रहे हों, लेकिन प्रचार इस तरह से करेंगे कि भविष्य में कृत्रिम मेधा एक बहुत बड़ा खतरा बन जाएगा। ऐसे में यह न हो कि आम आदमी यही सोचता रहे कि नई तकनीक की ताकत कुछ लोगों की बंधक बन गई है।

हालांकि, कृत्रिम मेधा से जुड़े खतरे की संभावनाओं को लेकर सरकार भी सतर्क है, लेकिन उसका कहना है कि इस तरह की आशंकाओं से डरकर इसके विकास को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। मगर इसके दुरुपयोग को रोकने के उपाय जरूरी हैं। इसके लिए देश को सजग रहना पड़ेगा और जहां भी जरूरी हो, वहां सख्ती बरतनी होगी। वैसे भी तकनीक को खारिज करना या खत्म करना समस्या का हल नहीं है, जरूरत इस बात की है कि आधुनिक तकनीक को विकास से जोड़ा जाए और इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसमें दोराय नहीं कि कृत्रिम मेधा आज विकास प्रक्रिया का एक हिस्सा बन गई है और इसके सदुपयोग और महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। मगर, इसके इस्तेमाल में एहतियात बरतना भी जरूरी है।

रिश्तों को संभालने के लिए केवल भावनाओं से नहीं समझदारी भी है आवश्यक, रिश्तों में प्रेम के नाम पर निजता में नहीं होनी चाहिए दखलअंदाजी

जीवन में हर चीज का एक संतुलित रूप ही सही होता है। अति किसी भी बात की हो, चाहे वह प्रेम हो, क्रोध हो, भोजन हो या मौन, वह जीवन के लिए हानिकारक साबित होती है। ठीक इसी प्रकार, रिश्तों में भी एक संतुलन बहुत जरूरी है। न तो किसी रिश्ते में आवश्यकता से अधिक घुल जाना ठीक होता है, और न ही पूरी तरह उदासीन होकर जीना। आजकल समाज में हमें दो तरह के रिश्ते देखने को मिलते हैं। एक तरफ ऐसे रिश्ते हैं जहां लोग एक-दूसरे के जीवन में इस कदर दखल देने लगते हैं कि व्यक्ति को अपने ही जीवन पर नियंत्रण नहीं रहता। दूसरी तरफ कुछ रिश्ते इतने ढीले और लापरवाह हो जाते हैं कि उनमें न कोई संवाद बचता है, न परवाह।

इस प्रकार के रिश्तों में प्रेम के नाम पर एक-दूसरे की निजता में इतनी अधिक दखलअंदाजी होती है कि व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पहचान ही खोने लगता है। 'किससे बात कर रहे हो?' 'क्यों देर से जवाब दिया' 'फोन क्यों बिजी था?' और यहां तक कि पूरी गतिविधि पर नजर रखना शुरू हो जाता है। सवाल यह उठता है कि क्या यह वास्तव में प्रेम है? ऐसे रिश्तों में इंसान का व्यक्तिगत विकास रुक जाता है। वह स्वयं के लिए सोचना तक छोड़ देता है, क्योंकि उसकी ऊर्जा लगातार अपने साथी को समझाने, साबित करने और भरोसा दिलाने में खर्च होती रहती है।

जितना यह उसके साथी के लिए हानिकारक है, उतना ही यह उसके अपने लिए भी विनाशकारी है। धीरे-धीरे यह रिश्ता 'प्रेम' से 'संदेह' की ओर बढ़ने लगता है। और जहां संदेह है, वहां प्रेम का वास संभव नहीं रह जाता। सोशल मीडिया के पासवर्ड लेना, फोन की जांच करना, साथी की हर गतिविधि पर नजर रखना- यह सब दर्शाता है कि रिश्ते में विश्वास की कमी है। जब किसी इंसान को उसकी निजी जगह से वंचित किया जाता है, तो वह भीतर से घुटने लगता है। और यही घुटन प्रेम को धीरे-धीरे खत्म कर देती है। दूसरी तरफ ऐसे रिश्ते भी होते हैं जिनमें दो लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके बीच संवेदनाएं और जुड़ाव लगभग समाप्त हो चुका होता है। एक-दूसरे के जीवन में क्या चल रहा है, इसकी कोई चिंता नहीं होती। एक-दूसरे की तकलीफें भी अनदेखी रह जाती हैं। ऐसे रिश्ते भावनात्मक रूप से सूखे और खाली हो जाते हैं। रिश्ते केवल शारीरिक या सामाजिक साथ से नहीं चलते। उनमें भावना, संवाद और सहयोग भी उतना ही जरूरी है। जब वह सब नदारद हो जाए, तब रिश्ता बस एक औपचारिक बंधन बनकर रह जाता है, जिसमें न कोई मिठास होती है और न कोई ऊर्जा।

रिश्तों को समझने के लिए सबसे सुंदर उदाहरण हमें प्रकृति से मिलता है पौधों का। हम सभी जानते हैं कि कोई भी पौधा तभी हरा-भरा और जीवित रह सकता है, जब उसे नियमित पानी मिले और धूप मिलती रहे। अगर हम उसे जरूरत से ज्यादा पानी दें, तो उसकी जड़ें सड़ जाती हैं। अगर पानी देना ही भूल जाएं, तो वह सूख जाता है। ठीक यही नियम रिश्तों पर भी लागू होता है। रिश्ते भी पौधों की तरह होते हैं। उन्हें देखभाल चाहिए। बातचीत, परवाह, नजदीकी और स्वतंत्रता सबका संतुलित मिश्रण। अच्छा रिश्ता वही होता है, जिसमें न किसी पर बंधन हो और न ही उपेक्षा। जहां एक-दूसरे की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान हो और भावनाओं की कद्र भी।

एक-दूसरे से जुड़े रहना, लेकिन घुटन न देना, बल्कि सहज रहना और सहजता का अहसास देना। संवाद करना, लेकिन हर बात पर सवाल न उठाना। परवाह करना, लेकिन नियंत्रण की हद तक नहीं। साथ रहना, लेकिन स्वतंत्रता के साथ। सच्चा रिश्ता वह होता है, जिसमें दोनों व्यक्ति एक-दूसरे की जरूरत बनें, लेकिन जंजीर नहीं। जहां भरोसा इतना मजबूत हो कि हर पल की जानकारी देने की आवश्यकता न हो। और प्रेम इतना गहरा हो कि एक-दूसरे की खुशी में सच्चा उत्साह मिले। रिश्ते कोई बोझ नहीं होते, वे जीवन की ऊर्जा होते हैं। मगर जब वे अति में बदल जाएं, चाहे वह दखल की हो या लापरवाही की, तब वे जिंदगी को बोझिल बना देते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखा जाए। यह याद रखने की जरूरत है कि रिश्ते भी पौधों जैसे होते हैं। उन्हें रोज थोड़ा-थोड़ा प्यार चाहिए, न ज्यादा, न कम।

रिश्तों को संभालना केवल भावनाओं से नहीं होता, इसके लिए समझदारी भी आवश्यक है। किसी भी संबंध की नींव संवाद पर टिकी होती है। अगर रिश्ते में चुप्पी छा जाए या फिर हर बात पर अत्यधिक सवाल-जवाब होने लगे, तो वह धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। विश्वास को आधार बनाना जरूरी है, क्योंकि लगातार नियंत्रण करने की प्रवृत्ति रिश्ते में खटास भर देती है, जबकि भरोसा उसे गहराई देता है। साथ ही, स्वतंत्रता का सम्मान करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। साथी को अपने निर्णयों और पसंद का अधिकार देना संबंध को स्वस्थ बनाए रखता है। रिश्ते केवल दिखावे पर नहीं टिकते, बल्कि साथ बिताए छोटे-छोटे पलों की कद्र करने से मजबूत होते हैं। साझा हंसी, हल्की-फुल्की बातें और एक-दूसरे की चिंताओं में भागीदारी ही वह पोषण है, जो रिश्तों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है।

रिश्तों में संतुलन ही जीवन की असली खूबसूरती है। संतुलित रिश्ता ही इंसान को सुकून, ऊर्जा और आत्मविश्वास देता है। अगर प्रेम के साथ विश्वास, संवाद और स्वतंत्रता का मेल हो, तो रिश्ते जीवन की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं, लेकिन अगर उनमें अति या उपेक्षा आ जाए, तो वही रिश्ते घुटन और बोझ में बदल जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों में न अति का मार्ग अपनाएं, न उपेक्षा का, बल्कि बीच का रास्ता चुनें- संतुलन का, संवेदनाओं का और परस्पर सम्मान का।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़

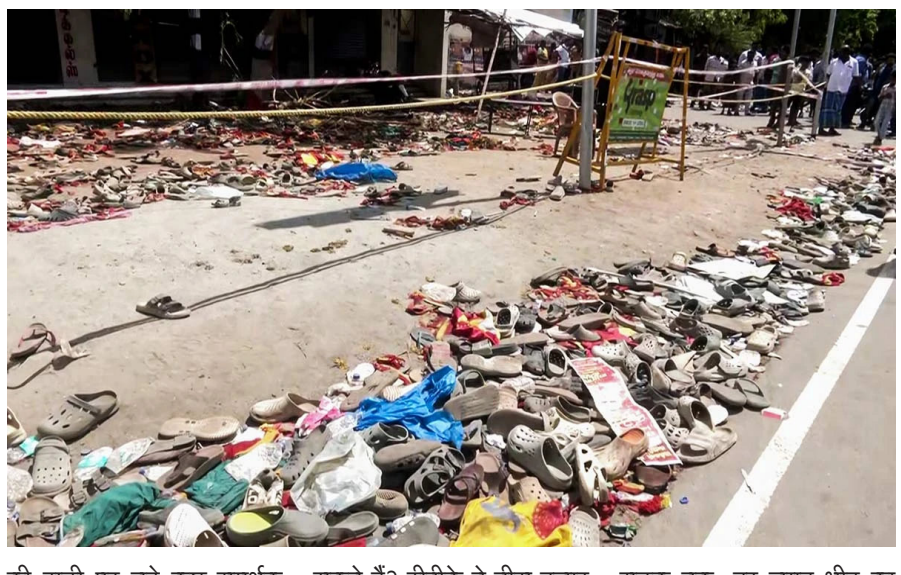

की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

बरेली बवाल का मोस्ट वांटेड आईएमसी नेता नदीम खान गिरफ्तार

मौलाना के करीबी के होटल और दो बरातघर सील

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश पुलिस ने बरेली हिंसा के दूसरे मास्टरमाइंड को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नदीम के रूप में हुई है, जो स्थानीय मौलवी और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख तौकीर रज़ा खान का करीबी सहयोगी है। पुलिस हिंसा भड़कने के बाद से ही नदीम की तलाश कर रही थी। झड़प शुरू होने के बाद से ही वह फरार था। पुलिस के अनुसार, नदीम ने भीड़ जुटाने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और लोगों को विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा होने के लिए बुलाया। इसके अलावा, उसका फोन भी बरामद कर लिया गया है, जिसमें कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने बताया कि बरेली में हिंसा भड़काने के बाद नदीम उत्तर प्रदेश से भागने की योजना बना रहा था। हालाँकि, पुलिस ने उसे भागने से पहले ही शाहजहाँपुर जिले में गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, नदीम को बरेली दंगों के मास्टरमाइंड तौकीर रज़ा का दाहिना हाथ माना जाता है। यह भी पता चला कि नदीम ने कभी तौकीर रज़ा के आदेशों की अवहेलना नहीं की। नदीम एक हफ़्ते से बरेली में हिंसा की योजना बना रहा था। 'आई लव मुहम्मद' अभियान के समर्थन में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हालिया हिंसा के सिलसिले में स्थानीय मौलवी तौकीर रज़ा खान समेत कुल 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रज़ा को बरेली में हुए एक हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद गिरफ्तार किया गया था, जहाँ शुक्रवार की नमाज के बाद कोतवाली इलाके में एक मस्जिद के बाहर 'आई लव मुहम्मद' के पोस्टर लिए एक बड़ी भीड़ और पुलिस के बीच झड़प हो गई थी।

भीड़ कथित तौर पर इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के संस्थापक रज़ा द्वारा प्रस्तावित एक प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज़ थी, जिन्होंने दावा किया था कि अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। अधिकारियों ने बताया कि रज़ा समेत 180 नामजद और 2, 500 अज्ञात 'दंगाइयों' के खिलाफ शहर के विभिन्न पुलिस थानों, जिनमें कोतवाली, प्रेमनगर, बारादरी, कैंट और किला शामिल हैं, में हिंसा भड़काने, तोड़फोड़, दंगा, पथराव और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में विभिन्न धाराओं के तहत दस मामले दर्ज किए गए हैं।

जनता दरबार में बैठे थे सीएम योगी, तभी आई गरीब बूढ़ी मां

दर्द सुन द्रवित हो उठा राज्य के मुखिया का कलेजा कैंसर पीड़ित बेटे को तुरंत भिजवाया अस्पताल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री को, सोमवार को एक कैंसर पीड़ित बेटे की बूढ़ी मां ने अपनी तकलीफ़ बताई जिसे सुन कर योगी आदित्यनाथ द्रवित हो गए और तत्काल बेटे को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। मौका था 'जनता दर्शन' का जहां योगी आदित्यनाथ पीड़ितों की फरियाद सुन रहे थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश के 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनके प्रार्थना पत्र लिये और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दिया।

इसी बीच कानपुर के रायपुरवा की करीब 64 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री से कहा कि उसके जवान बेटे को कैंसर हो गया है और निर्धनता की वजह से वह उसका इलाज नहीं करा पा रही हैं। महिला ने बताया कि उसके पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। महिला ने मुख्यमंत्री से आर्थिक मदद का अनुरोध किया। बुजुर्ग महिला की यह बात सुन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उसके बेटे को कल्याण सिंह कैंसर सुपर स्पेशियलिटी इंस्टीट्यूट भिजवाने और उपचार प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'जनता दर्शन' से सीधे उसे अस्पताल भेज दिया गया जहां उसकी जांच प्रारंभ हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर सेवा, नारायण सेवा को अंगीकृत कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासियों के चेहरे पर खुशी लाना सरकार का उद्देश्य है। इसे लेकर ही सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज के लिए किसी भी पीड़ित ने स्वयं, जनप्रतिनिधि या किसी भी माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, उसे सहायता उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने कहा "हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। " 'जनता दर्शन' में लखनऊ से आए व्यक्ति ने अवैध निर्माण की शिकायत की। वहीं साइबर फ्रॉड से जुड़े मामले में कार्रवाई न होने की शिकायत लेकर नोएडा के पीड़ित ने अपनी बात रखी। इलाज के लिए आर्थिक सहायता, पुलिस, प्रशासन, राजस्व, बिजली आदि से जुड़े मामले भी लोगों ने रखे।

धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश

ईसाई धर्म अपनाने के लिए 'चमत्कारी उपचार' का करते थे दावा, मास्टमाइंड गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। लखनऊ पुलिस ने कथित तौर पर अनुसूचित जाति के लोगों को प्रलोभन और 'चमत्कारी उपचार' के दावों के जरिए ईसाई धर्म अपनाने के लिए लुभाने वाले एक धर्मांतरण गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान निगोहां थाना क्षेत्र के बकतौरी खेड़ा निवासी मलखान (43) के रूप में हुई है, जिसे रविवार को उसी इलाके के हुलासखेड़ा रोड से गिरफ्तार किया गया। बताया कि 'प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही मलखान फरार था। पुलिस की एक टीम ने उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।'

पुलिस के एक बयान के अनुसार, , मलखान ने अपने खेत पर एक हॉल का निर्माण किया था और कथित तौर पर उसे एक अस्थायी चर्च के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। बयान में कहा गया है कि मलखान हर रविवार और बृहस्पतिवार को वह अनुसूचित जाति लोगों को एकत्र कर बीमारियों के इलाज का कथित तौर पर वादा करता था और प्रलोभन देता था। इन सभाओं के दौरान, लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए कथित तौर पर बपतिस्मा दिया जाता था।

पुलिस ने कहा कि मलखान ने खुद ईसाई धर्म अपना लिया था और अपने बच्चों और रिश्तेदारों के नाम बदलकर ईसाई नाम रख लिए थे। वह अनुसूचित जाति के सदस्यों तक पहुँचने के लिए 'येशु चंगाई सभा' नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप भी चलाता था। पुलिस ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के दौरान, बाइबिल की शिक्षाओं पर आधारित दो किताबें और अन्य प्रचार सामग्री बरामद की गई। उसके वित्तीय स्रोतों की भी जाँच की जा रही है और पुलिस उन लोगों से संपर्क कर रही है जिनका धर्म परिवर्तन होने की आशंका है। मामले में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धाराओं के तहत निगोहां थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मलखान को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी दक्षिण ने 25, 000 रुपये नकद पुरस्कार दिया है।

हिंदू छात्रों से क्लासरूम में जबरन लिखवाया आई लव मोहम्मद

स्कूल संचालक और शिक्षिका गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सीतापुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर स्कूल में हिंदू विद्यार्थियों से आई लव मोहम्मद लिखे स्लोगन चार्ट पर बनवाए गए। बच्चों ने जानकारी घर जाकर अपने परिजनों को दी, जिस पर सभी परिजन भड़क गए और विद्यालय में पहुंचकर आपत्ति जताई। जिसके बाद पुलिस ने संचालक और टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को विद्यालय में आई लव मोहम्मद स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई। छुट्टी के बाद घर पहुंचे बच्चों ने जानकारी दी तो अभिभावकों ने विद्यालय में आपत्ति जताई थी। अभिभावक अखिलेश, सुशील, ज्ञानेंद्र आदि ने थाने में तहरीर दी थी। बजरंगदल के जिलाध्यक्ष आशुतोष वर्मा ने थाने में कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने इस मामले में दो के खिलाफ मुकदमा लिखा। इसके बाद मामले की जांच की दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में पता चला कि नईमुद्दीन की पत्नी खुशनूर बानो बनबीरपुर की प्रधान हैं। थानाध्यक्ष सदरपुर राजेश कुमार ने बताया कि विद्यालय संचालक नईमुद्दीन उर्फ हिन्नू व शिक्षिका साहिबा को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक अन्य संचालक की भी तलाश की जा रही है।

सड़क पर लगा लाशों का ढ़ेर! एक ही परिवार से उठीं 5 अर्थियां

पिकअप की टक्कर से बाइक सवारों की मौत मृतको में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हरदोई जिले में दिल-दहला देने वाला हादसा हुआ है। यहां सोमवार करीब ढाई बजे सुरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत तिराहे पर पिकअप की टक्कर से पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही सीओ अंकित मिश्र और एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, सुरसा थाना क्षेत्र के भिठा निवासी संदीप के बेटे कार्तिक का मुंडन था। गांववाले और रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्राली और बाइकों से बाबा मंदिर गए थे। जहां से मुंडन कराकर वापस लौटते समय यह दादसा हो गया। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर संतराम, उसकी पत्नी संगीता, संदीप की पत्नी मोनी, संदीप की बेटी गौरी और राजेश का पुत्र आमू बैठे थे। बाइक संतराम चला रहा था।

तिराहे पर सामने से आ रहे पिकअप डाला ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक में बैठे संतराम, संगीता, मौनी और गौरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आमू घायल हो गया। राहगीरों द्वारा घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को मेडिकल कालेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है की ट्राली में 50 से अधिक महिलाएं और पुरुष बैठे थे। इसके चलते संतराम की बाइक पर उसकी पत्नी, कार्तिकेय की मां और दो बच्चे बैठ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक और पिकअप दोनों की रफ्तार तेज थी। तेज रफ्तार के चलते ही बाइक अनियंत्रित हुई और पिकअप से टकरा गई।

पाक से मैच पर सियासी घमासान, सौरभ भारद्वाज बोले- शहीदों का अपमान, करोड़ों पर सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत द्वारा पाकिस्तान को हराकर एशिया कप फ़ाइनल की ट्रॉफ़ी जीतने पर, आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बड़ा बयान दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि टीम इंडिया ने मोहसिन नक़वी के हाथों से कप नहीं लिया। जब यह सीरीज़ शुरू हुई थी, तब मैंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें भारतीय टीम के कप्तान मोहसिन नक़वी के साथ कप पकड़े हुए और हाथ मिलाते हुए तस्वीर खिंचवा रहे थे। मैंने एक वीडियो भी अपलोड किया था, जिसमें एशिया कप के लिए कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, वह मंच पर पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिला रहे थे। लेकिन, जैसे ही वह मंच से उतरे, उन्होंने उनसे हाथ मिलाया।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जनता तय कर सकती है कि स्क्रिप्ट से पहले क्या हुआ और बाद में क्या हुआ। प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तानी टीम के साथ मैच खेलने के लिए टीम को बधाई दे रहे हैं... इज़राइल और गाज़ा के बीच क्रिकेट और फ़ुटबॉल मैच भी होंगे। इससे पहले भारद्वाज ने एक्स पर एक वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि देखिए सीरीज़ की शुरुआत में, अभी 15 दिन पहले, पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी के साथ हाथ भी मिलाया, फोटो भी खिंचवाया। मगर भारत में मैच का विरोध हुआ तो खिलाड़ियों को नई स्क्रिप्ट दी ताकि देश में प्रोपेगंडा चला सकें।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलने के लिए भाजपा और भारतीय क्रिकेट टीम की आलोचना की। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो का हवाला देते हुए, राउत ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से हाथ मिलाया था। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे भाजपा के नकली देशभक्तों और भक्तों के बारे में नहीं पता, लेकिन असली देशभक्तों ने कल मैच नहीं देखा। आपने पीसीबी प्रमुख नकवी से ट्रॉफी नहीं ली, लेकिन मैंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें भारतीय कप्तान उनसे हाथ मिलाते, चाय पीते और तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। क्या आपको लगता है कि जनता मूर्ख है?' इसके अलावा, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों का अपमान बताया। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल है कि आप पाकिस्तान के साथ क्यों खेल रहे हैं? आपको पहलगाम में शहीद हुए सैनिकों और शहीद हुए लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए। आपने ट्रॉफी नहीं ली, उनके कप्तान से हाथ नहीं मिलाया, लेकिन फिर आपने मैच क्यों खेला? अगर आपने खेला, तो यह ड्रामा बंद करें।'

यूकेएसएसएससी भर्ती विवाद : धामी की खुली चुनौती, बोले- किसी भी जाँच के लिए तैयार

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के प्रति अपनी सरकार के जीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराया और आश्वासन दिया कि युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होगा और उनकी सरकार यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले की किसी भी जांच के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा और सचिवालय जनता से मिलने और दैनिक कार्यों को संबोधित करने के स्थान हैं। इसलिए मैं जनता से मिलने और यहीं से सरकारी कामकाज निपटाने के लिए विधानसभा और सचिवालय दोनों जाने का प्रयास करता हूँ।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने कहा है कि युवाओं के अधिकारों, योग्यताओं, प्रतिभाओं और क्षमताओं के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया में कोई भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। यदि कोई प्रश्न हैं, तो हमने कहा है कि हम छात्रों की इच्छानुसार कोई भी जांच कराने के लिए तैयार हैं। आगे कई परीक्षाएँ हैं। सभी को खुद को तैयार करना चाहिए। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री ने भर्ती परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि 25, 000 से ज़्यादा नियुक्तियाँ बिना किसी गड़बड़ी के की जा चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित 2025 स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा में कथित पेपर लीक की वर्तमान में एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) द्वारा जाँच की जा रही है।

यूकेएसएसएससी स्नातक स्तरीय परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों के बाद यह जाँच के दायरे में आई, जिसके बाद राज्य सरकार ने न्यायिक निगरानी में जाँच के आदेश दिए। कथित अनियमितताओं की जाँच और ज़िम्मेदार लोगों की पहचान के लिए 24 सितंबर को देहरादून ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक जया बलूनी की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। शुक्रवार को विरोध प्रदर्शनों के बीच, सीएम धामी ने युवाओं से अपील की थी कि वे अपने हितों का शोषण करने वालों से सावधान रहें। धामी ने कहा, '...मैं सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि वे तय करें कि उनके आंदोलन का नेतृत्व कौन कर रहा है, जो लोग अपने स्वार्थ के लिए युवाओं को सड़कों पर ला रहे हैं, उनका युवाओं या भर्ती प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन हमारी प्रतिबद्धता है कि जिस तरह हमने बिना किसी भ्रष्टाचार के पारदर्शी तरीके से 25, 000 नियुक्तियाँ की हैं, हम वैसा ही करेंगे।'

कर्ज में डूबे किसान दंपति ने की दिल दहला देने वाली आत्महत्या, बच्चों के लिए छोड़ा भावुक संदेश

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। फुलंब्री तालुका के आलंद क्षेत्र के पिंपरी शिवार गांव में कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान एक किसान दंपति ने एक के बाद एक आत्महत्या कर ली। पत्नी ने शुक्रवार को कुएं में कूदकर अपनी जान दी, तो शनिवार को पति ने उसी कुएं के पास पेड़ पर फांसी लगाकर दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है।

43 वर्षीय विलास रामभाऊ जमधड़े और उनकी 38 वर्षीय पत्नी रमाबाई विलास जमधड़े अल्पभूधारक किसान थे। बैंकों के कर्ज और हाल के मुसलाधार बारिश से फसलों को हुए नुकसान ने उनकी जिंदगी को दुष्कर बना दिया था। शुक्रवार (27 सितंबर) को रमाबाई ने शेतातील कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। उनके शव की खोजबीन के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी, तभी शनिवार सायंकाल करीब 5 बजे विलास ने गाव से दो किलोमीटर दूर शेत पहुंचकर टोक का कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि विलास का शव उसी कुएं के पास पेड़ से लटका मिला। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम फुलंब्री ग्रामीण अस्पताल में कराया गया। प्रारंभिक जांच में कर्जबारी ही मौत का मुख्य कारण सामने आया है।

आत्महत्या से पहले विलास ने व्हाट्सएप ग्रुप पर अपने दो नाबालिग बेटों सुमित और अमित के नाम एक मार्मिक संदेश लिखा। संदेश में उन्होंने कहा, 'मैं विलास रामभाऊ जमधड़े, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक का पीक कर्ज होने के कारण आत्महत्या कर रहा हूं। मेरी पत्नी ने भी कल बैंक के कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली। सुमित, अमित मुझे माफ करो, लेकिन मेरी आखिरी इच्छा है कि तुम आलंद से ही अपनी पढ़ाई पूरी करो। मेरे प्रिय बच्चों।' यह संदेश पढ़कर गांववासी भावुक हो गए। दंपति के अब दो छोटे बच्चे अनाथ हो चुके हैं, जिनका भविष्य अब अनिश्चित है।

इस घटना से पूरे गांव और तालुका में सन्नाटा पसर गया है। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही प्राकृतिक आपदाओं ने किसानों की कमर तोड़ दी है। एक ग्रामीण ने कहा, 'कर्ज माफी और फसल बीमा की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि ऐसी त्रासदियां न हों।' पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने भी मामले का संज्ञान लिया है। मराठवाड़ा क्षेत्र में किसान आत्महत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे सरकार पर ठोस कदम उठाने का दबाव बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से गांवों को मिल रही हैं शहरों वाली सुविधाएं

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सपना तेजी से साकार हो रहा है। बिहार सरकार की 'मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना' के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ने का संकल्प अब हकीकत बन चुका है। इस योजना के तहत गांवों में यातायात की सुविधा विकसित होने के साथ ही ग्रामीण आबादी को शहरों जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। राज्यभर में कुल 33 हजार, 821 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण के साथ मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की प्रगति के आंकड़े बेहद उत्साहजनक रहे हैं। अबतक इस योजना के तहत 24, 289 ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। जबकि लक्ष्य कुल 31 हजार, 590 सड़कों के निर्माण का है। मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना (एमएमजीएसवाई) ग्रामीण क्षेत्रों में उन बस्तियों और टोलों को बारहमासी सड़क संपर्कता प्रदान करती है जो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में शामिल नहीं हैं। यह योजना राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित है और ग्रामीण आबादी की परिवहन चुनौतियों को हल करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करने और ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई है। इस योजना से राज्य के कुल 28 हजार से भी अधिक गांवों, बसावटों और टोलों को संपर्कता प्रदान की गई है, जिसकी कुल लंबाई 33, 821 किलोमीटर है। इसके अतिरिक्त 165 छोटे-बड़े पुलों का निर्माण भी सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इन ग्रामीण सड़कों के निर्माण से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल आवागमन बेहतर हुआ है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी सहज और सुनिश्चित हुई है।

करूर भगदड़ : निर्मला सीतारमण ने ने किया घटना स्थल का दौरा

घायलों और पीड़ितों के परिजनों से की मुलाकात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के करूर का दौरा किया और शनिवार को टीवीके प्रमुख विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस रैली में 41 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन को व्यक्तिगत रूप से फोन किया और उन्हें घटनास्थल पर जाकर शोक संतप्त परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने के लिए कहा। सीतारमण ने कहा कि भगदड़ में कई लोग, पुरुष और महिलाएँ, शरीर पर जगह-जगह घायल हो गए। हम कुछ मृतकों के परिवारों से भी मिले। उनकी कहानियाँ सुनकर मेरा कलेजा मुँह को आ गया। मेरा दिल दुख से भर गया है। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि करूर की घटना स्तब्ध करने वाली है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। प्रधानमंत्री ने मुझे और डॉ. मुरुगन को फ़ोन किया और हमें उन सभी परिवारों से मिलने और घायलों का हालचाल जानने की सलाह दी, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मुरुगन के साथ, उन्होंने जिला कलेक्टर के साथ भगदड़ स्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों के कई परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं न तो उनसे बात कर पाई और न ही उन्हें सांत्वना दे पाई। उनमें से ज़्यादातर गरीब परिवारों से हैं। मैं उनका दर्द सुन सकती थी। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री का शोक संदेश शोक संतप्त और घायलों तक पहुँचाया।

सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के महत्व पर भी प्रकाश डालाः 'सार्वजनिक मामलों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएँ निर्धारित करने का कोई भी समय बुरा नहीं होता, खासकर जहाँ लोगों की भारी भीड़ होगी।

दर्शनार्थियो का तांता,गरबा खेलने वालो में होड़

ॐ जय बाबा मित्र मंडल का दुर्गा पूजा बना आकर्षण का केंद्र, शहरभर में हो रही सराहना

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के श्रीरंग नगर क्षेत्र में ॐ जय बाबा मित्र मंडल की तरफ से आयोजित सार्वजनिक नवरात्र जागरण उत्सव में बंगाली पद्धति से स्थापित दुर्गा माता का दर्शन करने के लिए माँ भक्तो का तांता लगा हुआ है।साथ ही मंडल द्वारा कराए जाने वाले गरबा व डांडिया में हिस्सा लेने वालो का होड़ लगा हुआ है। भिवंडी के श्रीरंगनगर में स्थित रवि पाटिल कंपाउंड में लगातार 18 वर्षो से 'ॐ जय बाबा मित्र मंडल' द्वारा सार्वजनिक नवरात्र जागरण उत्सव का आयोजन किया जाता है।मंडल के अध्यक्ष व दैनिक भास्कर के पत्रकार जितेंद्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष माँ दुर्गा की 8 फिट उची महिसासुर मर्दन करते मूर्ति स्थापित किया गया है।माँ के साथ लक्ष्मी ,सरस्वती ,हनुमान जी ,शंकर भगवान के अलावा विघ्नहर्ता गणेश भगवान की भी मूर्ति स्थापित की गई है।जो पूर्ण रूप से मिट्टी से बनी है।साथ ही बंगाली पद्धति से सजावट की गई है।मंडल के अध्यक्ष व जितेंद्र तिवारी ने बताया कि हर दिन सुबह नौ बजे आरती व रात में ठीक आठ बजे ढोल हरमुनियम के साथ वैदिक मंत्रोचार के साथ महाआरती होती है।जिसमे शामिल होने व माँ की दिव्य मूर्ति का दर्शन करने वालो का तांता लगा हुआ है।इसके बाद अलग अलग दिन फैंसी ड्रेस पर गरबा व डांडिया किया जाता है।जो पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।उक्त मंडल द्वारा स्थापित मूर्ति व इसकी साजसज्जा के कारण ॐ जय बाबा मित्र मंडल हमेशा ही भिवंडी में टॉप पर रहा है।मंडल के कार्याध्यक्ष विजय मिश्रा व कोषाध्यक्ष राकेश केसरवानी ने बताया कि इसके अलावा मंडल की तरफ से बिलुप्त होती संस्कृति को बचने व बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए ड्राइंग कम्पिटसन व डांस प्रतियोगिता के अलावा जादूगर के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।मंडल के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सचिव महेंद्र प्रताप सिंह,उपाध्यक्ष मंचल पांडे,व्यवस्थापक सुधाकर तिवारी,विनोद त्रिपाठी,रविन्द्र तिवारी,शिवचंद केसरवानी प्रदीप केसरवानी,चंचल पांडेय,पवन केसरवानी,प्रदीप सोनी केसरवानी, सुनील जायसवाल,मोहित,रोहित,अमित केसरवानी ,कल्लू वायरमैन विशेष मेहनत कर रहे है।इसके अलावा हर दिन रात में सुंदरकांड का पाठ व रोजाना निरंतर भंडारा चल रहा है।जिसे मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार किया जाता है। इसके अलावा शहरभर में सार्वजनिक नवरात्रि उत्सव में कुल 96 देवी की मूर्तियाँ और निजी उत्सवों में 184 मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं। जबकि 18 मूर्तियाँ सार्वजनिक स्थानों पर और 32 निजी स्थानों पर स्थापित की गई हैं। साथ ही, 04 सार्वजनिक स्थानों पर और 602 निजी स्थानों पर घाट स्थापित किए गए हैं। नवरात्रि उत्सव के अवसर पर, 90 सार्वजनिक स्थानों पर और 106 निजी स्थानों पर गरबा नृत्य का आयोजन किया गया है। इस तरह भिवंडी में बड़ी संख्या में नवरात्रि उत्सव मनाया जा रहा है।

फ्री सर्विस से इनकार पर मनपा सफाई कर्मचारियों की गुंडागर्दी

गैराज मालिक पर हमला - सीसीटीवी फुटेज वायरल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में मनपा सफाई कर्मचारियों की गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। फ्री में मोटरसाइकिल की मरम्मत करने से मना करने पर दो कर्मचारियों ने एक गैराज मालिक को दुकान के भीतर घुसकर बुरी तरह पीटा। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गैराज मालिक पंकज सोनी के अनुसार, आरोपी मनपा कर्मचारी रोहन घाडगे और कुणाल घाडगे लंबे समय से उनकी दुकान से बिना पैसे दिए मोटरसाइकिल की मरम्मत करवा रहे थे। इस बार उन्होंने साफ इनकार किया तो दोनों आरोपी भड़क गए। दुकान में घुसकर मारपीट की और खुलेआम धमकी दी कि 'हम मनपा कर्मचारी हैं, अगर गाड़ी फ्री में रिपेयर नहीं की तो तुम्हारी दुकान बंद करवा देंगे।' पीड़ित ने घटना का पूरा वीडियो सबूत के तौर पर शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत के साथ सौंप दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रही है। इस घटना ने शहर भर में हड़कंप मचा दिया है।

आम नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब नगर निगम के कर्मचारी ही खुलेआम दबंगई और वसूली पर उतर आएं, तो आम आदमी किससे सुरक्षा की उम्मीद रखे।

2 नाबालिग युवकों का अपहरण, भिवंडी पुलिस ने केस दर्ज किया

भिवंडी (संवाददाता)

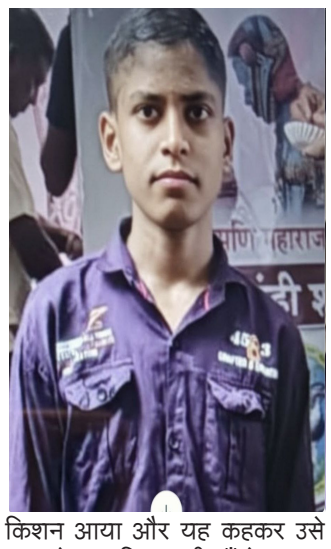

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में नाबालिग बच्चों के अपहरण की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताज़ा मामला भंडारी कंपाउंड का है, जहां 15 वर्षीय अजय सरोज और 14 वर्षीय गिरी किशन के एक साथ लापता होने की शिकायत दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, नारपोली के हीरा अपार्टमेंट निवासी भुल्लू महेश सरोज ने अपने बेटे अजय सरोज के लापता होने की शिकायत भोईवाडा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 सितंबर की रात करीब 9 बजे अजय के घर बालाजी नगर निवासी गिरी किशन आया और यह कहकर उसे साथ ले गया कि उसकी माँ ने बुलाया है। देर रात तक अजय घर नहीं लौटा तो परिजनों ने गिरी किशन के घर जाकर पूछताछ की। वहाँ उसकी माँ बिन्दु बंसीलाल गिरी ने फोन पर बताया कि गिरी किशन भी लापता है और उसकी तलाश में वे कल्याण गए हुए हैं। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहाँ काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों किशोरों का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद शिकायत भोईवाडा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर दोनों नाबालिगों की तलाश शुरू कर दी है। लगातार हो रही अपहरण की घटनाओं से शहरवासियों में भय और चिंता का माहौल गहराता जा रहा है।

बेलापुर संभाग में अतिक्रमण विभाग द्वारा बेदखली की कार्रवाई

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों ने नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार और अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने नवी मुंबई नगर निगम विभाग के माध्यम से बेलापुर संभाग में अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।

श्री लक्ष्मी काशीनाथ बोस, मकान संख्या 1215/02, दिवाले गाँव, सेक्टर 14, नवी मुंबई को अनाधिकृत निर्माण के लिए इस विभाग के बेलापुर कार्यालय के माध्यम से एमआरटीपी धारा 54 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया था। तदनुसार, संबंधितों को अनाधिकृत निर्माण को स्वयं हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन उन्होंने अनाधिकृत निर्माण जारी रखा।

इस विभाग के बेलापुर कार्यालय द्वारा एक तोड़फोड़ अभियान चलाया गया और उक्त अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस तोड़फोड़ अभियान में सहायक आयुक्त एवं प्रभागीय अधिकारी डॉ. अमोल पालवे, सहायक अभियंता श्री आत्माराम काले, बेलापुर कार्यालय के अंतर्गत बेलापुर प्रभाग के अधिकारी/कर्मचारी, मजदूर- 10, हथौड़ा- 03, गैस कटर- 01, उत्खनन- 01 के साथ-साथ अतिक्रमण विभाग के पुलिस और सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए थे।

आगे भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई इसी तरह तेज की जाएगी।

कर्जत स्टेशन पर प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों के लिए विशेष यातायात और पावर डे ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 01.10.2025 (बुधवार) से 02.10.2025 (गुरुवार) तक ब्लॉक और ट्रेनों के परिचालन पर पड़ने वाले प्रभावों का विवरण

कर्जत यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के संबंध में, मध्य रेल, कर्जत स्टेशन पर प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों के लिए विशेष यातायात और पावर डे ब्लॉक परिचालित करेगा। दिनांक 01.10.2025 (बुधवार) से 02.10.2025 (गुरुवार) तक ब्लॉक और ट्रेनों के परिचालन पर पड़ने वाले प्रभावों का विवरण इस प्रकार हैः लॉक की तिथि और अवधिः दिनांक 01.10.2025 (बुधवार) सुबह 11:20 बजे से शाम 17:20 बजे तक दिनांक 02.10.2025 (गुरुवार) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 15:30 बजे तक ट्रैफिक ब्लॉक सेक्शनः भिवपुरी-स्टेशन-जम्ब्रुंग केबिन-ठाकुरवाड़ी-नागनाथ केबिन और कर्जत के बीच ब्लॉक अवधि के दौरान उपनगरीय ट्रेनों का संचालन

लॉक अवधि के दौरान कर्जत और खोपोली के बीच अप और डाउन उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी दिनांक 01.10.2025 (बुधवार) ट्रेनों के संचालन पर प्रभाव

डाउन उपनगरीय ट्रेनों का रद्दीकरण

कर्जत से 12.00 बजे, 13.15 बजे और 15.39 बजे प्रस्थान करने वाली कर्जत-खोपोली लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी।

अप उपनगरीय ट्रेनों का रद्दीकरण

खोपोली से 11.20 बजे, 12.40 बजे और 14.55 बजे प्रस्थान करने वाली खोपोली-कर्जत लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी।

उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन

सीएसएमटी से 9.01 बजे, 9.30 बजे, 9.57 बजे, 11.14 बजे और 13.40 बजे प्रस्थान करने वाली सीएसएमटी-कर्जत लोकल ट्रेनें नेरल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएंगी ।

ठाणे से 12.05 बजे प्रस्थान करने वाली ठाणे-कर्जत लोकल ट्रेन नेरल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएंगी ।

सीएसएमटी से 12.20 बजे प्रस्थान करने वाली सीएसएमटी-खोपोली लोकल ट्रेन नेरल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी ।

सीएसएमटी से सुबह 10.36 बजे और दोपहर 14.45 बजे प्रस्थान करने वाली सीएसएमटी-कर्जत लोकल अंबरनाथ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी ।

सीएसएमटी से दोपहर 13.19 बजे प्रस्थान करने वाली सीएसएमटी-कर्जत लोकल ठाणे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

उपनगरीय ट्रेनों का शॉर्ट ओरिजनेशन

कर्जत-सीएसएमटी लोकल, जो कर्जत से सुबह 10.43 बजे, 11.19 बजे, 12.00 बजे, 13.00 बजे, 13.55 बजे और 15.26 बजे प्रस्थान करती हैं, नेरल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजनेट होगी ।

कर्जत-ठाणे लोकल, जो कर्जत से दोपहर 13.27 बजे प्रस्थान करती है, नेरल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजनेट होगी।

कर्जत-सीएसएमटी लोकल, जो कर्जत से 12.23 बजे और 16.00 बजे प्रस्थान करती है, अंबरनाथ स्टेशन से शॉर्ट ओरिजनेट होगी।

खोपोली-सीएसएमटी लोकल, जो खोपोली से 13.48 बजे प्रस्थान करती है, ठाणे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजनेट होगी।

मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलशन

ट्रेन संख्या 20495 जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस को भिवंडी स्टेशन पर 13.00 बजे से 17.00 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 11019 सीएसएमटी-भुवनेश्वर एक्सप्रेस को भिवपुरी रोड स्टेशन पर 15.37 बजे से 17.40 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 22732 सीएसएमटी-हैदराबाद एक्सप्रेस को नेरल स्टेशन पर 15.48 बजे से 17.45 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस को वांगनी स्टेशन पर 15.50 बजे से 18.20 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 17613 पनवेल-नांदेड़ एक्सप्रेस को चोक स्टेशन पर 16.25 बजे से 18.10 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। ट्रेन संख्या 11014 कोयंबटूर-एलटीटी एक्सप्रेस को मंकी हिल केबिन पर 11.43 बजे से 11.50 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का रिश्डयुलिंग ट्रेन संख्या 22159 सीएसएमटी-चेन्नई एक्सप्रेस, जो सीएसएमटी से 12.45 बजे प्रस्थान करती है, अब 15.30 बजे रिशेड्यूल की गई है। ट्रेन संख्या 22101 एलटीटी-मदुरै एक्सप्रेस, जो एलटीटी से 13.15 बजे प्रस्थान करती है, अब 16.00 बजे रिशेड्यूल की गई है।

मध्य रेल द्वारा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस-2025 के लिए 20 विशेष ट्रेन सेवाएं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस वह ऐतिहासिक दिन है जब डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने अपने अनुयायियों के साथ 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार किया था। इस दिन बड़ी संख्या में अनुयायी डॉ. आंबेडकर को नमन करने एवं कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एकत्रित होते हैं।

धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस-2025 के दौरान यात्रा करने वाले अनुयायियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मध्य रेल 20 विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा।

विवरण इस प्रकार हैः

आरक्षित विशेष ट्रेन सेवाएं

1) नागपुर-अकोला-नागपुर विशेष ट्रेन - (2 सेवाएं)

01132 विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025 को नागपुर से 18.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.30 बजे अकोला पहुँचेगी। - (1 सेवा)

01131 विशेष ट्रेन दिनांक 03.10.2025 को अकोला से 00.20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 04.50 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

ठहरावः अजनी, वर्धा, पुलगाँव, धामनगाँव, बडनेरा और मुर्तिजापुर

संरचनाः एक वातानुकूलित-2 टियर, तीन वातानुकूलित-3 टियर, 7 शयनयान श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान।

अनारक्षित विशेष ट्रेन सेवाएं

2) सीएसएमटी-नागपुर-सीएसएमटी अनारक्षित विशेष ट्रेन - (2 सेवाएं)

01019 अनारक्षित विशेष ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से दिनांक 01.10.2025 को 14.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.10 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

01020 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025 को नागपुर से 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17.20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी। - (1 सेवा)

ठहरावः दादर, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगाँव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव, पुलगाँव, वर्धा और अजनी।

संरचनाः 16 शयनयान/सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान

3) पुणे - नागपुर-पुणे अनारक्षित विशेष ट्रेन - (2 सेवाएं)

01215 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 01.10.2025 को पुणे से 14.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.30 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

01216 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025 को नागपुर से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.20 बजे पुणे पहुँचेगी। - (1 सेवा)

ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर (अहमदनगर), बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगाँव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव, पुलगाँव, वर्धा और अजनी।

संरचनाः 16 शयनयान श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान।

4) सोलापुर-नागपुर-सोलापुर अनारक्षित विशेष ट्रेन - (2 सेवाएं)

01029 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 01.10.2025 को सोलापुर से सुबह 9.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 5.10 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

01030 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025 को नागपुर से रात 23.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 23.45 बजे सोलापुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

ठहरावः कुर्दुवाड़ी, दौंड, अहिल्यानगर (अहमदनगर), बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव, पुलगाँव, वर्धा और अजनी।

संरचनाः 16 शयनयान श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान

5) नागपुर-भुसावल-नागपुर अनारक्षित विशेष ट्रेन - (6 सेवाएं)

01214 अनारक्षित विशेष ट्रेन 01.10.2025, 02.10.2025 और 03.10.2025 को नागपुर से 21.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.00 बजे भुसावल पहुँचेगी। (3 सेवाएं)

01213 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025, 03.10.2025 और 04.10.2025 को भुसावल से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 12.20 बजे नागपुर पहुँचेगी। (3 सेवाएँ)

ठहरावः अजनी, वर्धा, पुलगाँव, धामनगाँव, बडनेरा, मुर्तिजापुर, अकोला, शेगांव और मलकापुर

संरचनाः 8 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान

6) नासिक रोड-नागपुर-नासिक रोड मेमू अनारक्षित विशेष - (2 सेवाएं)

01231 अनारक्षित मेमू विशेष ट्रेन दिनांक 01.10.2025 को नासिक रोड से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (1 सेवा)

01232 अनारक्षित मेमू विशेष ट्रेन दिनांक 02.10.2025 को नागपुर से 16.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.45 बजे नासिक रोड पहुँचेगी। - (1 सेवा)

ठहरावः मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगाँव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव, पुलगाँव, वर्धा और अजनी।

संरचनाः 8 डिब्बा मेमू

7) नासिक रोड-नागपुर-नासिक रोड मेमू अनारक्षित विशेष - (4 सेवाएं)

01233 अनारक्षित मेमू विशेष ट्रेन नासिक रोड से दिनांक 03.10.2025 और 04.10.2025 को सुबह 04.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 15.40 बजे नागपुर पहुँचेगी। - (2 सेवाएँ)

01234 अनारक्षित मेमू विशेष ट्रेन नागपुर से दिनांक 03.10.2025 और 04.10.2025 को शाम 16.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.45 बजे नासिक रोड पहुँचेगी। - (2 सेवाएं)

ठहरावः मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगाँव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव, पुलगाँव, वर्धा और अजनी।

संरचनाः 8 डिब्बा मेमू

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 01132 और 01131 के लिए बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।

अनारक्षित डिब्बों के टिकट यूटीएस के माध्यम से सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के समान सामान्य शुल्क पर बुक किए जा सकते हैं।

उक्त विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या ऐप डाउनलोड करें।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैध टिकटों के साथ यात्रा करें।

केरल के लिए कम फ्लाइट्स चलाएगा एअर इंडिया एक्सप्रेस, शशि थरूर ने जताई चिंता

नई दिल्ली। लोकसभा सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से केरल के कई शहरों को जोड़ने वाली उड़ानों की संख्या घटाने की योजना पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एअर इंडिया को 'केरल को बाद में सोचने वाली जगह' मानना बंद करना चाहिए। एअर इंडिया एक्सप्रेस, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया की कम लागत वाली शाखा है।

'एयर इंडिया के एमडी कैंपबेल विल्सन को पत्र लिखा'

शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैंने एयर इंडिया के एमडी कैंपबेल विल्सन को पत्र लिखा है। इसमें मैंने उन खबरों पर गहरी चिंता जताई है, जिनमें दावा किया गया है कि आने वाले सर्दी सारणी में एअर इंडिया एक्सप्रेस की कई सेवाओं को केरल के हवाई अड्डों से रद्द किया जाएगा।' उनके के अनुसार, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नूर एयरपोर्ट्स से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स अक्तूबर के अंत से मार्च तक कम की जा सकती हैं।

केरल की उड़ानों में कटौती से गंभीर असर

कांग्रेस नेता ने कहा कि केरल देश के सबसे व्यस्त विमानन केंद्रों में से एक है। यहां से खासतौर पर खाड़ी देशों के लिए बहुत ज्यादा अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात होता है। थरूर ने कहा, 'इस समय सेवाओं में कटौती से प्रवासी कामगारों, छात्रों, पर्यटकों और परिवारों को भारी दिक्कत होगी। इसके साथ ही यह कदम राज्य के व्यापार और पर्यटन को भी नुकसान पहुंचाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से तिरुवनंतपुरम तक की देश की सबसे लंबी घरेलू फ्लाइट पर बिजनेस क्लास सेवा को हटाना पहले ही लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुका है। थरूर ने आगे कहा, 'अब अगर और फ्लाइट्स कम की गईं तो यह स्थिति और भी खराब होगी।'

अन्य एयरलाइंस को मिलेगा फायदा

इस दौरान लोकसभा सांसद ने संकेत दिया कि अगर एयर इंडिया ने केरल की जरूरतों को नजरअंदाज करना जारी रखा, तो यात्री अन्य एयरलाइंस का रुख करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर एयर इंडिया ऐसे ही करता रहा, तो इंडिगो और अकासा एयर जैसी कंपनियां तैयार बैठी हैं। कई लोग बिना झिझक उन एयरलाइंस को चुन लेंगे जो हमें जरूरी ध्यान देती हैं।' थरूर ने यह भी याद दिलाया कि वह पहले एयर इंडिया के बड़े समर्थक थे।

एशिया कप : वे काफी कुछ कह रहे थे तिलक वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले के बाद किया खुलासा

दुबई (**एजेंसी**)। तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की। तिलक ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर टीम के साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा, 'मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।'

दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की। तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था।'

तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, 'दर्शकों से 'वंदे मातरम' के जयकारे सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। मैं बस 'भारत माता की जय' कहना चाहता हूं।'

भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए एशिया कप फाइनल में भारत के माथे पर जीत का तिलक लगाने वाले तिलक वर्मा आज न केवल हर भारतीय की जुबान पर हैं, बल्कि भरोसे का प्रतीक भी बन गए हैं। आठ नवंबर 2002 को आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में तेलगु परिवार में जन्में तिलक वर्मा ने 21 की उम्र पार करने से पहले ही अगस्त 2023 में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था।

अपने इस पहले मैच में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी और तीसरी ही गेंद पर दो शानदार छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट जगत में अपनी धाक जमाने के लिए आए हैं। एक वक्त था जब इस प्रतिभावान खिलाड़ी के पिता श्री नम्बूरी नागराजू के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह निजी कोचिंग की व्यवस्था कर पाते, लेकिन तब तिलक के पहले कोच श्री सलाम बयाश ने न केवल उनके लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की, बल्कि आवश्यक सामान भी जुटाए।

तिलक ने उनके भरोसे पर खरे उतरते हुए 2018-19 में हैदराबाद की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्हें जल्द ही, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्वकप के लिए चुन लिया गया, जहां उन्होंने तीन पारियों में महत्वपूर्ण 86 रन बनाए। तिलक घरेलू क्रिकेट में 2021 में हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और सात पारियों में 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। इस प्रदर्शन पर आईपीएल टीमों की नजर गई और 2022 के मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियन्स ने उन्हें 1.70 करोड़ में खरीद लिया।

तिलक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में सभी 14 मैच खेले और 36.09 की औसत एवं 131.02 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए। आईपीएल के इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया और उन्होंने 2023 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना पदार्पण किया। तिलक वर्मा ने अब तक के अपने क्रिकेट कैरियर में 32 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 30 पारियों में 149 की स्ट्राइक रेट से 962 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने दो शतक लगाए हैं और वह भी लगातार दो पारियों में, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उनका एक पारी में सबसे अधिक स्कोर 120 नाबाद रन है। तिलक को हालांकि एक दिवसीय मैचों में बहुत मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने चार मैचों में एक अर्धशतक जड़ दिया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 22 मैचों में 34 पारियां खेलते हुए अब तक 1562 रन बनाए है। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, बॉलिंग ऑल राउंडर है, जिसने अंतरराष्ट्रीय टी-20 में छह पारियों में गेंदबाजी करके तीन विकेट भी हासिल किये है। तिलक के पिता श्री नागराजू पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और वह भी हर पिता की तरह चाहते थे कि उनका बेटा एक स्थायी आय वाले पेशे में जाए। वह चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने आप को अपने बेटे पर नहीं थोपा। तिलक की मां एक गृहणी हैं और उनके छोटे भाई तरुण वर्मा भी एक खिलाड़ी हैं, वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल चुके हैं।

बोपन्ना, युजुकी शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जापान ओपन के फाइनल में

तोक्यो (**एजेंसी**)। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और जापान के उनके जोड़ीदार ताकेरू युजुकी ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सोमवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की अमेरिका की जोड़ी को बेहद रोमांचक मैच में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का किया।

बोपन्ना और युजुकी ने धैर्य दिखाते हुए हैरिसन और किंग को 4-6, 6-3, 18-16 से हराया बोपन्ना और युजुकी ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और फिर मैराथन सुपर टाई-ब्रेक में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने तीसरे मैच प्वाइंट को भुनाकर मुकाबला अपने नाम किया। इस दौरान 44 वर्षीय बोपन्ना ने अपनी शानदार सर्विस का अच्छा इस्तेमाल किया, जबकि युजुकी ने शानदार रिटर्न और नेट के इस्तेमाल प्रभावित किया। इस जीत से बोपन्ना एक और फाइनल में पहुंच गए हैं। इससे पहले, 2025 में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क्वीन्स क्लब में एटीपी 500 के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था।

वेस्टइंडीज को भारत दौरे से पहले बड़ा झटका, तेज गेंदबाज चोट के कारण आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को भारत दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। जोसेफ अब तक 40 टेस्ट में 124 विकेट चटका चुके हैं और बल्ले से 770 रन भी बनाए हैं। उनकी गेंदबाज़ी का औसत 33.46 रहा है। चोट की वजह से उनकी निरंतरता पर असर पड़ा है और यही कारण है कि टीम को बैकअप विकल्प तलाशने पड़े। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान जारी करते हुए बताया कि जोसेफ की जगह जेडिया ब्लेड्स को टीम में शामिल किया गया है। ब्लेड्स ने अभी तक तीन वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। नेपाल के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज पूरी करने के बाद वे भारत दौरे पर टीम से जुड़ेंगे।

यह वेस्टइंडीज का दूसरा बड़ा नुकसान है। इससे पहले तेज गेंदबाज़ शमर जोसेफ चोटिल होकर बाहर हो गए थे। उनकी जगह ऑलराउंडर जोहान लेने को टीम में शामिल किया गया था। अब वेस्टइंडीज के पास गेंदबाज़ी में जेडन सील्स और एंडरसन फिलिप जैसे तेज गेंदबाज़ बचे हैं, जबकि ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज़ को भी गेंदबाजी में जिम्मेदारी निभानी होगी। स्पिन विभाग की कमान जोमेल वारिकन और खैरी पियरे के हाथों में होगी।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की अपडेटेड टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वार्रिकन (उप-कप्तान), केवलन एंडरसन, एलिक अथानाज़, जॉन कैंपबेल, टेगनारिन चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, जोहान लेने, जेडिया ब्लेड्स, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खारी पियरे, जेडन सील्स।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर ने 1.2 करोड़ डॉलर में बेची कोयला कंपनियों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। बिजनेस टाइकून अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने सोमवार को एक बड़ी डील की घोषणा की। कंपनी ने इंडोनेशिया की पांच कोयला कंपनियों में अपनी 100इ हिस्सेदारी लगभग 100 करोड़ रुपए (1.2 करोड़ डॉलर) में बेचने का फैसला किया है।

कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में बताया कि उसकी दो सहायक कंपनियों – रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड – ने यह सौदा बायोट्रस्टर (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। समझौता 29 सितंबर 2025 को साइन हुआ है और डील 30 दिसंबर 2025 तक पूरी हो जाएगी, बशर्ते जरूरी शर्तें पूरी हों। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में कोई आय दर्ज नहीं की थी। इनकी कुल संपत्ति रिलायंस पावर की समेकित निवल संपत्ति का मात्र 0.53इ थी यानी ये डील कंपनी की बैलेंस शीट पर ज्यादा असर नहीं डालेगी। रिलायंस पावर ने स्पष्ट किया है कि खरीदार का कंपनी के प्रमोटर समूह से कोई संबंध नहीं है और यह रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन नहीं है। यह सौदा सेबी एलओडीआर नियम 37ए के तहत मंदी की बिक्री या पुनर्गठन योजना का हिस्सा भी नहीं है।

सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा (**एजेंसी**)। कनिका सिवाच के विजयी गोल की बदौलत भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला सोमवार को नेशनल हॉकी सेंटर में खेला गया।

मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कनिका सिवाच ने मुकाबले के 32वें मिनट महत्वपूर्ण फील्ड गोल करते हुए आखिरकार गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

भारतीय टीम इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मुकाबले गंवा चुकी थी, लेकिन इस जीत ने टीम में जोश भर दिया है। अब भारतीय टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी।

इससे पहले, शुक्रवार को जूनियर महिला हॉकी टीम कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने पहले मैच में 2-3 से हारी।

भारतीय टीम के लिए लालथंतलुआंगी (47वें मिनट) और सोनम (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बियांका जुरर (36वें मिनट), एवी स्रांसबी (45वें मिनट) और सैमी लव (59वें मिनट) ने गोल किए।

भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के विरुद्ध 0-5 से हार का सामना किया। इस मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

ऑस्ट्रेलियाई खेमे से मकायला जोन्स ने मुकाबले के 10वें, 11वें और 52वें मिनट तीन गोल दागे। इनके अलावा, सैमी लव ने 38वें मिनट गोल किया। इसके बाद मिगालिया हॉवेल ने 50 वें मिनट गोल दागा।

30 सितंबर और 2 अक्टूबर को भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगी। यह सीरीज दिसंबर में चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

उम्मीद की जा रही है कि ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तरीय टीमों के साथ खेलने से अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भारतीय टीम की गुणवत्ता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी : गोयल

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। ईएईयू में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं।

मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में कहा, अमेरिका के साथ (व्यापार समझौते के लिए) बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी बातचीत चल रही है।

पिछले सप्ताह, गोयल ने न्यूयॉर्क में व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया था। दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं।

सहारा समूह की कंपनी ने अडानी प्रॉपर्टीज को समूह की संपत्ति बेचने के लिए न्यायालय से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने महाराष्ट्र में एम्बी वैली और लखनऊ में सहारा शहर समेत विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। इस याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अधिवक्ता गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में " .. सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को छह सितंबर 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने के लिए" अनुमति मांगी गई है।

सहारा समूह से संबंधित लंबित मामलों में दायर अंतरिम आवेदन में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण में तथा विभिन्न आदेशों के माध्यम से इस न्यायालय की अनुमति प्राप्त करने के बाद, एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी कठिनाई से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए है। इससे हासिल राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया। इसमें कहा गया कि "कुल 24, 030 करोड़ रुपए की मूल राशि में से, सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16, 000 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की है और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है।"

प्रतिष्ठित ब्रोकरेज कंपनियों की सेवाएं लेने के बावजूद सहारा समूह की संपत्तियों को बेचने में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की असमर्थता की ओर इशारा करते हुए एसआईसीसीएल ने कहा कि सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा की गई पूरी धनराशि आवेदक एवं सहारा समूह के प्रयासों से और बड़ी मुश्किल से जमा की गई थी। एसआईसीसीएल ने कहा कि नवंबर 2023 में सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय का निधन होने के बाद समूह ने अपना एकमात्र निर्णयकर्ता खो दिया है जो अब तक समूह की ओर से सभी निर्णय ले रहा था। इसमें कहा गया, "दिवंगत सुब्रत रॉय के परिवार के सदस्य सहारा समूह के दैनिक व्यावसायिक संचालन एवं प्रबंधन में शामिल नहीं थे। हालांकि, निवेशकों के हितों की रक्षा हेतु परिवार के सदस्यों की इच्छा को ध्यान में रखते हुए सहारा समूह ने निर्णय लिया है कि उसकी संपत्तियों को अधिकतम मूल्य पर और शीघ्रता से बेचा जाए ताकि इस न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का पालन किया जा सके, सहारा समूह के दायित्वों का निर्वहन किया जा सके और वर्तमान अवमानना कार्यवाही को समाप्त किया जा सके।"

सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को आरबीआई का डिप्टी गवर्नर किया नियुक्त

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को तीन साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। मुर्मू, एम. राजेश्वर राव का स्थान लेंगे जिनका विस्तारित कार्यकाल आठ अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल नौ अक्टूबर या उसके बाद पद ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष का होगा। मुर्मू वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में कार्यकारी निदेशक हैं और पर्यवेक्षण विभाग का काम देखते हैं।

आरबीआई अधिनियम 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। दो अपने ही 'रैंक' से, एक वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा। अन्य तीन डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता हैं।

गौरतलब है कि एम. राजेश्वर राव को पहली बार सितंबर 2020 में तीन साल की अवधि के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। 2023 में उन्हें एक साल का विस्तार मिला था। इसके बाद 2024 में एक और विस्तार मिला। इस प्रकार आठ अक्टूबर को राव के कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे हो जाएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने एमी में मचाया धमाल आलिया भट्ट बोलीं- 'आप बहुत चमक रहे हैं!'

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने लोकप्रिय पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को प्रशंसित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में उनके प्रदर्शन के लिए 'इंटरनेशनल एमी पुरस्कार' के लिए नामांकित होने पर बधाई दी। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दोसांझ ने पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की भूमिका निभाई थी, जिनकी 1988 में 27 साल की उम्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस फिल्म में अभिनेत्री परिणिति चोपड़ा ने भी अभिनय किया है। दोसांझ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी के लिए चुना गया है। साथ ही इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी-सीरीज श्रेणी में भी नामांकित किया गया है। वर्ष 2016 की फिल्म 'उड़ता पंजाब' में दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकीं भट्ट ने शनिवार को 'इंस्टाग्राम' पर कहा, "दिलजीत दोसांझ और इस रत्न में शामिल टीम को बधाई! वाकई बहुत चमक रहे हैं।"

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में, दोसांझ का मुकाबला 'लुडविग' (ब्रिटेन) के लिए डेविड मिशेल, 'यो, एडिक्टो' (स्पेन) के लिए ओरियोल प्ला और 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सोलिट्यूड' (कोलंबिया) के लिए डिएगो वास्केज से होगा। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' अप्रैल 2024 में रिलीज हुई थी और दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी और इसके गीतों को भी सराहना मिली थी।

सेलेना गोमेज ने 33 की उम्र में बेनी ब्लैंको संग रचाई शादी, तस्वीरें हुईं वायरल

हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज ने शनिवार को अमेरिकन रिकॉर्ड प्रोड्यूसर और सॉन्ग राइटर बेनी ब्लैंको से शादी कर ली। सेलेना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यार भरी पोस्ट के साथ इस खबर की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में, यह कपल एक लॉन में तस्वीरों के लिए पोज देते हुए एक-दूसरे को किस और गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। काफी समय से सेलेना अपनी शादी को लेकर चर्चा में थी। इतना ही नहीं, सगाई के बाद उन्होंने अपने दोस्तों के साथ बैचलरेट पार्टी एन्जॉय की और प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के बाद में ही उनका वेडिंग फंक्शन सेलिब्रेट किया।

सेलेना गोमेज ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रैंड बेनी ब्लैंको से कल यानी के 27 सितंबर 2025 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी रचाई है। पहले ही उन्होंने अनाउंस कर दिया था कि वह सितंबर महीने में बेनी के साथ शादी करेंगी और अब वह रियल लाइफ में बेनी ब्लैंको की मिसेस बन गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार
कार्यपालक अभियंता, मध्य मुंबई विद्युत प्रभाग,
लोक निर्माण विभाग, 'साधना हाउस', द्वितीय तल,
पांडुरंग बुधकर मार्ग, महिंद्रा टावर के पीछे,
वर्ली, मुंबई-18
ई-मेलः elcentralmumbai.ee@mahapwd.gov.in, दूरभाषः 022 4564 6881

ई-निविदा सूचना संख्याः 34/2025-26

कार्यपालक अभियंता, मध्य मुंबई विद्युत प्रभाग, लोक निर्माण विभाग, वर्ली, मुंबई द्वारा विद्युत लाइसेंस धारक ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु 'बी-१' फॉर्म में प्रतिशत दरों पर ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। बी-१ ई-निविदा दस्तावेज़ लोक निर्माण विभाग, महाराष्ट्र सरकार के ई-निविदा पोर्टल http://mahatenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। कार्यपालक अभियंता, सीएमईडी, वर्ली, मुंबई किसी भी निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

अ. क्र.	कार्य का नाम	निविदा राशि	निविदा राशि शब्दों में
१.	H35162 of 2025-26 मझगांव अनुभाग, मझगांव, मुंबई के अंतर्गत कार्यालय भवन के लिए ६ महीने की अवधि के लिए ४ वायरमैन और ४ मजदूर उपलब्ध कराना।	११३८१७६	ग्यारह लाख अड़तीस हजार एक सौ छिहत्तर
२.	W12710/2025-26 ईएसआईएस अस्पताल, वर्ली, मुंबई में मीटर रूम से दूसरी और तीसरी मंजिल तक पुराने और खराब हो चुके केबल और मीटर रूम से पहली मंजिल तक लीड वायर बदलने का कार्य।	१२९२१७७	बारह लाख बानवे हजार एक सौ सतहत्तर
३.	D13023/25-26 नायगांव, मुंबई स्थित सहजीवन भवन के क्वार्टरों में सिविल नवीनीकरण कार्य के कारण ईआई कार्य की मरम्मत और प्रतिस्थापन का कार्य।	११६७२७९	ग्यारह लाख सड़सठ हजार दो सौ उन्यासी
४.	H25028 OF 2024-25 सर जे.जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, भायखला, मुंबई के केंद्रीय पुस्तकालय भवन में लिफ्ट संख्या १ और लिफ्ट संख्या २, २,८ यात्री, उ३५ मंजिलों का एआरडी पैनल और पूर्ण व्यापक रखरखाव एवं सर्विसिंग प्रदान करना। (३ वर्षों के लिए २ लिफ्ट)।	१५६९०९६	पंद्रह लाख उन्नहत्तर हजार छियानवे
५.	W23135/2025-26 स्विचगियर, पैसेज लाइट, स्ट्रीट लाइट, मीटर बॉक्स, सर्विस का प्रतिस्थापन प्रदान करना	१०५८७१४	दस लाख अट्ठावन हजार सात सौ चौदह
६.	स्थापना संख्या D21041/25-26 विस्तारित कार्यालय रवींद्र नाट्यमंदिर, प्रथम तल, पी एल देशपांडे कला अकादमी, प्रभादेवी, मुंबई (द्वितीय कॉल) में विद्युत स्थापना, एलईडी टीवी सहित कॉन्फ्रेंस सिस्टम, फायर अलार्म सिस्टम, सीसीटीवी, लैन, टेलीफोन और एयर कंडीशनिंग का नवीनीकरण प्रदान करना।	९७२१५२६	सत्तानवे लाख इक्कीस हजार पाँच सौ छब्बीस

१. ठेकेदार को जीएसटी को छोड़कर कीमत बतानी होगी। १८% तक जीएसटी अतिरिक्त देय होगा।
२. डाउनलोड/बिक्री अवधि: दिनांक: ३०.९.२०२५ से ७.१०.२०२५, शाम ५.३० बजे तक।
३. बोली खुलने की तिथि: ९.१०.२०२५, सुबह ११.०० बजे के बाद।

ईई/सीएमईडी/टीसी/३२१४/२०२५
दिनांक: २६.०९.२०२५

DGIPR/2025-26/2798

एसडी/-
कार्यकारी अभियंता
मध्य मुंबई विद्युत प्रभाग
पी.डब्ल्यू.डी. वर्ली मुंबई

मराठा सेवा संघ का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 2025 दिल्ली में भव्य समापन के साथ संपन्न

दिल्ली। मराठा सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'प्रशिक्षण शिविर 2025' का दिल्ली में उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल में भव्य समापन हुआ। छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों और मूल्यों पर आधारित इस शिविर ने कार्यकर्ताओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्थान और संगठनात्मक विकास के लिए नई दिशा प्रदान की। यह शिविर कार्यकर्ताओं में समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जागृत करने में पूर्णतः सफल रहा।
शिविर का उद्घाटन जोश और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मराठा सेवा संघ के राष्ट्रीय सचिव शिवश्री प्रदीप पाटील ने की, जबकि उद्घाटनकर्ता के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवश्री विजय नवल पाटील उपस्थित थे। मंच पर राष्ट्रीय किसान नेता शिवश्री अविनाश काकडे, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष शिवश्री डॉ. संजय पाटील, मराठा समन्वय कक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवश्री कमलेश पाटील, मराठा न्यायदान कक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट आकाश काकडे, वीर भगत सिंह विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवश्री प्रो. संभाजी नवघरे, संत गाडगे महाराज प्रबोधन कक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवश्री शिवाजीराजे पाटील तथा दिल्ली मराठा सेवा संघ की प्रदेशाध्यक्ष शिवमती अंजली पाटील उपस्थित थीं। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन शिवमती संयुक्ता देशमुख ने कुशलतापूर्वक किया।
शिविर की शुरुआत राजमाता जिजाऊ की प्रतिमा को वंदन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिजाऊ वंदना ने उपस्थित कार्यकर्ताओं में जोश का संचार किया।

स्वागत समारोह में सभी अतिथियों का सत्कार किया गया तथा स्वागत उद्बोधन मराठा सेवा संघ के प्रदेश महासचिव प्रो. आदेश मुळे ने किया।
अपने उद्घाटन उद्बोधन में शिवश्री विजय नवल पाटील ने कहा कि 'मराठा सेवा संघ का कार्य छत्रपति शिवाजी महाराज के मूल्यों पर आधारित है, जो 'शिवशाही' का आधुनिक स्वरूप है। यह शिविर संगठन की आत्मा है और कार्यकर्ताओं को समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है।' राष्ट्रीय किसान नेता शिवश्री अविनाश काकडे ने कहा कि 'मराठा समाज केवल एक जाति नहीं बल्कि विभिन्न जातियों-जनजातियों का समन्वय है। यदि आज शिवाजी महाराज होते तो वे हमें घोड़ा-तलवार के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ं) जैसी आधुनिक तकनीक को समाजहित में उपयोग करने की प्रेरणा देते।'
शिवश्री प्रदीप पाटील ने शिविर के उद्देश्यों और संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला। शिवश्री डॉ. संजय पाटील ने संगठन की स्थापना के उद्देश्यों और वर्तमान कार्यों की भूमिका स्पष्ट की। शिवश्री कमलेश पाटील ने सामाजिक एकता पर बल दिया, शिवश्री प्रो. संभाजी नवघरे ने युवाओं में राष्ट्रवाद पर जोर दिया, वहीं शिवश्री शिवाजीराजे पाटील ने अंधविश्वास उन्मूलन और सामाजिक सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
शिविर में इंजी. शिवाजीराजे पाटील, प्रो. संभाजी नवघरे और प्रो. सुदर्शन तारक द्वारा संचालित सत्रों में गहन चर्चा हुई। प्रत्येक सत्र के बाद प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकर्ताओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।
शिविर के दौरान प्रतिनिधियों ने दिल्ली के कुतुब एन्क्लेव स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अनुभूति संग्रहालय का दौरा किया। शिवश्री विजय नवल पाटील की अध्यक्षता में छत्रपति शिवाजी महाराज मेमोरियल राष्ट्रीय समिति द्वारा निर्मित यह संग्रहालय अत्याधुनिक 13-3 तकनीक और डार्क राइड के माध्यम से शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास को जीवंत करता है। यह संग्रहालय उत्तर भारत में युवाओं को शिवराय की धर्मनिरपेक्षता और कल्याणकारी राज्य के विचारों से प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
शिविर के सफल आयोजन के लिए मराठा सेवा संघ के प्रदेश महासचिव प्रो. आदेश मुळे ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सफलता में सभी के सहयोग की सराहना की।

तटीय सुरक्षा चुनौतीः राजनाथ सिंह बोले- आत्मनिर्भर भारत ही देगा समाधान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता के बीच समुद्री चुनौतियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने शरणार्थियों की आमद और अवैध प्रवासियों को बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक चुनौती बताया। उन्होंने कहा, 'भारत अपनी भूमि सीमाओं के संबंध में कई चुनौतियों का सामना करता रहता है। हमारे पड़ोसी देशों की हरकतें किसी से छिपी नहीं हैं। एक और चीज जो हम देख सकते हैं, वह है हमारे आसपास के देशों में अस्थिरता। ये चुनौतियाँ हमारे समुद्री क्षेत्र, विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी को प्रभावित करती हैं।'
रक्षा मंत्री ने कहा कि शरणार्थियों की आमद, अवैध प्रवासी और समुद्री गतिविधियाँ हमारी तटीय सुरक्षा को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। हमें खुद को केवल नियमित निगरानी तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमें दोहरे मोर्चे पर नज़र रखनी होगी। समुद्री सुरक्षा केवल हमारे जहाजों तक सीमित नहीं है; बल्कि, यहाँ भू-राजनीतिक जागरूकता और तैयारी आवश्यक है। केंद्र के आत्मनिर्भरता के आह्वान को दोहराते हुए, उन्होंने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत भारत में की जा रही है, और तटरक्षक बल का 90 प्रतिशत बजट स्वदेशी संपत्तियों के विकास में जाता है। उन्होंने सम्मेलन में कहा कि सरकार आपको अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए काम कर रही है। हम मशीन और मानव शक्ति, दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम भारतीय तटरक्षक बल को सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। मैं मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत तटरक्षक बल के प्रयासों से संतुष्ट हूँ। आज, भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत भारत में ही की जा रही है। तटरक्षक बल का 90 प्रतिशत बजट स्वदेशी संपत्तियों के विकास में जाता है। केवल रक्षा क्षेत्र में ही नहीं, भारत आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। तीन दिवसीय सम्मेलन 28 सितंबर को नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय में शुरू हुआ। आईसीजी के अनुसार, यह सम्मेलन समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और एक सुरक्षित, स्थिर और लचीले समुद्री क्षेत्र के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पूर्व पीएम ओली का पासपोर्ट रद्द, मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच शुरू

नेपाल की सुशीला कार्की सरकार ने पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली और 4 अन्य के पासपोर्ट निलंबित कर दिए हैं। यह कदम जेन-जी आंदोलन के दौरान दमन की जांच कर रही। आयोग की सिफारिश के बाद उठाया गया। सूची में पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक, गृह सचिव गोकरणमणि दुवाड़ी, खुफिया विभाग प्रमुख हुत्राज थापा और काठमांडू के पूर्व मुख्य जिला अधिकारी छबी रिजाल शामिल हैं। उन्हें काठमांडू छोड़ने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। 8-9 सितंबर को हुए आंदोलन में पुलिस फायरिंग से 19 लोगों की मौत हुई थी। मनी लॉन्ड्रिंग विभाग ने ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का समेत नेताओं के घरों से मिले जले हुए नोटों की जांच शुरू कर दी है।
भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ व्यापक आक्रोश के बीच 8

सितंबर को जेन-जेड का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। उसी दिन, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 19 लोग मारे गए और और भी अशांति फैल गई। दो दिनों के विरोध प्रदर्शन के अंत तक, मृतकों की संख्या 75 तक पहुँच गई थी। इस हिंसक दमन ने ओली को प्रधानमंत्री पद से हटाने में प्रत्यक्ष भूमिका निभाई, जिसके तुरंत बाद सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया। नए मंत्रिमंडल ने सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग की जाँच के लिए 21 सितंबर को एक जाँच आयोग का गठन किया।
पद से हटने के बाद अपने पहले के बयान में, ओली ने इस्तेमाल किए गए हथियारों के प्रकार पर सवाल उठाया था। प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित बंदूकों से गोलियां चलाई गईं जो पुलिस के पास नहीं थीं और उन्होंने मामले की जाँच की माँग की।

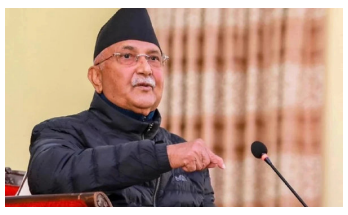

'भारत गंभीर दौर से गुजर रहा है, वाम दलों की एकता जरूरी', डी राजा बोले- देश को भाजपा राज से मुक्त कराएंगे

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी राजा ने सोमवार को कहा कि भारत इस समय बेहद गंभीर दौर से गुजर रहा है। उन्होंने वाम दलों की एकता और विपक्षी इंडिया गठबंधन में आपसी भरोसे को मजबूत करने की अपील की, ताकि भाजपा को कड़ी चुनौती दी जा सके। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, 'भाजपा और आरएसएस ने राजनीतिक सत्ता पर कब्जा कर लिया है। वे चुनावी तानाशाही के जरिए हमारे संविधान, लोकतंत्र और संघीय ढांचे को गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। मोदी सरकार देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो यह राष्ट्र के लिए बहुत बड़ी विपत्ति होगी, जिसकी चेतावनी पहले ही भीमराव अंबेडकर ने दी थी।'

'देश को भाजपा राज से मुक्त कराएंगे'

डी. राजा ने कहा कि भाजपा-आरएसएस लोगों को धर्म के नाम पर ध्रुवीकृत कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारे पार्टी कांग्रेस में यह तय हुआ कि हमें भाजपा और आरएसएस के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करना होगा। वाम दलों और कम्युनिस्ट दलों के बीच एकता आज की ऐतिहासिक जरूरत है।' सीपीआई नेता ने दावा किया कि उनकी पार्टी सबसे पहले भारत की आजादी का नारा देने वाली पार्टी थी। उन्होंने कहा, 'हमने देश को ब्रिटिश राज से मुक्त कराया था, अब हम इसे भाजपा राज से मुक्त कराएंगे।'

'BJP-RSS के विकल्प के रूप में सामने आए इंडिया गठबंधन'

इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए डी. राजा ने कहा कि इस मंच का मकसद सिर्फ चुनाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'गठबंधन के दलों को एक-दूसरे पर भरोसा करना होगा। सिर्फ चुनाव के समय या सीट-बंटवारे पर चर्चा के लिए सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। हमें लोगों की आजीविका से जुड़े आर्थिक मुद्दों पर भी ठोस एजेंडा तैयार करना होगा और भाजपा-आरएसएस के विकल्प के रूप में सामने आना होगा।'

सीट-बंटवारे को लेकर डी. राजा ने किया आगाह

उन्होंने विपक्षी दलों को चेतावनी दी कि अगर सीट-बंटवारे में आपसी सहमति नहीं बनी, तो हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे हालात दोबारा देखने को मिल सकते हैं। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने उम्मीद जताई कि सीपीआई और अन्य वाम दलों को उचित संख्या में सीटें मिलेंगी।

इजराइल में भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि

हाइफा मेयर ने कहा- 'अंग्रेज नहीं, भारतीय थे आज़ादी के हीरो, स्कूलों में सुधारा जाएगा इतिहास'

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के शहर हाइफा ने सोमवार को शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार किया जा रहा है कि शहर को ओटोमन शासन से आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक थे। हाइफा के मेयर योना याहव ने कहा, "मैं इसी शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया। हमें लगातार यही बताया जाता था कि इस शहर को अंग्रेजों ने आजाद कराया था, जब तक कि एक दिन हिस्टोरिकल सोसाइटी के किसी व्यक्ति ने मेरे दरवाजे पर दस्तक नहीं दी और कहा कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि अंग्रेज़ों ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने इस शहर को (ओटोमन शासन से) आजाद कराया था।"

उन्होंने यह टिप्पणी शहीद सैनिकों के भारतीय कब्रिस्तान में उनकी बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए की। याहाव ने कहा, "हर स्कूल में, हम किताबों में बदलाव कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय थे।" प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, भालों और तलवारों से लैस भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट ने तमाम मुश्किलों के बावजूद माउंट कार्मेल की चट्टानी ढलानों से ओटोमन की सेनाओं को खदेड़कर शहर को आजाद कराया था। अधिकांश युद्ध इतिहासकार इसे "इतिहास का अंतिम महान घुड़सवार अभियान" मानते हैं।

भारतीय सेना हर साल 23 सितंबर को हाइफा दिवस के रूप में मनाती है ताकि तीन बहादुर भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट - मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर्स को श्रद्धांजलि दी जा सके, जिन्होंने 1918 में इसी दिन 15वीं इंपीरियल सर्विस कैवलरी ब्रिगेड की एक जबरदस्त घुड़सवार कार्रवाई के बाद हाइफा को आज़ाद कराने में मदद की थी। भारतीय मिशन और हाइफा नगरपालिका द्वारा यहां भारतीय सैनिकों के कब्रिस्तान में हर साल बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है।

पीओके में गृह युद्ध जैसे हालात पाक सरकार के खिलाफ खुली बगावत!

जनता ने पुलिस और फ्रंटियर कॉर्प्स को पीटा और लूटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) में गृह युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। लोग अब खुलकर सड़कों पर उतर आए हैं और पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और पैरामिलिट्री फ़ोर्स फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी पर हमला किया, उनका लाठी-डंडा, हेलमेट और शील्ड छीन लिया। मीरपुर, मुज़फ़्फ़राबाद और रावलकोट में दुकानें बंद हैं। कश्मीरी व्यापारी और आम जनता आवामी एक्शन कमेटी के बैनर तले विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें हैंः आटा, चावल और दाल पर सरकारी सब्सिडी मिले, क्योंकि पीओके में चावल 301 रुपये किलो और आटा 110 रुपये किलो बिक रहा है। बिजली और संसाधनों का स्थानीय लाभ, क्योंकि बिजली के 60ȣ हिस्से को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और अन्य हिस्सों में भेज दिया जाता है।

मज़बूत सुरक्षा के बावजूद कश्मीरियों ने फ्रंटियर कॉर्प्स के जवानों पर हमला किया और उनका सामान लूटा । इसके जवाब में पुलिस और पैरामिलिट्री ने प्रदर्शनकारियों पर पथराव किया।

पीओके में बड़ी यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज बनाने के बजाय पाकिस्तान ने आतंक के कैम्प बनाए हैं। सिर्फ 6 सरकारी कॉलेज और 2 मेडिकल कॉलेज हैं। वहीं 12 से अधिक बड़े आतंक प्रशिक्षण कैम्प और 20 से अधिक मध्यम कैम्प सक्रिय हैं। साथ ही, पाकिस्तान पीओके की विधायिका में 12 नामांकित सदस्यों के जरिए स्थानीय आवाज़ दबाता है और अपने राजनीतिक हित साधता है। तुलना करें भारत के प्रीमियम बासमती चावल, आटा और दाल से तो यह स्थिति और भी हताशाजनक लगती है। पीओके में कश्मीरियों का यह विरोध न केवल महंगाई और राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ है, बल्कि यह पाकिस्तान के कब्ज़े और शोषण के खिलाफ एक खुला विद्रोह है।

ईरान का सख्त कदम : एक और इजराइली को दी फांसी, 9 इजराइली लोगों को दे चुका सजा-ए-मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को फांसी दे दी है। देश में पिछले कुछ दशकों में इस साल सबसे अधिक संख्या में लोगों को फांसी दी गई है। ईरान ने बताया कि जिस व्यक्ति को फांसी दी गई है, उसकी पहचान बहमन चूबियासल के रूप में हुई है। चूबियासल को फांसी ऐसे समय में दी गई है, जब ईरान ने अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई है, क्योंकि बीते सप्ताहांत संयुक्त राष्ट्र ने तेहरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर से प्रतिबंध लगा दिए हैं। ईरान ने चूबियासल पर इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के अधिकारियों से संबंध होने का आरोप लगाया था।

ईरान की मिजान समाचार एजेंसी (न्यायपालिका का आधिकारिक मुखपत्र) ने कहा कि चूबियासल ने 'संवेदनशील दूरसंचार परियोजनाओं' पर काम किया और 'इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के रास्तों' के बारे में जानकारी साझा की। जून में इजराइल के साथ हुए युद्ध के बाद से ईरान ने जासूसी के आरोप में नौ लोगों को फांसी दी है। इस युद्ध में कई सैन्य कमांडरों सहित लगभग 1, 100 लोग मारे गए थे।

सितंबर की शुरुआत में ईरान ने बाबक शाहबाजी को फांसी दे दी थी, जिस पर इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप था। कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि शाहबाजी को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को कीव के लिए लड़ने की पेशकश करने वाला पत्र लिखने के बाद यातना देकर झूठा कबूलनामा दिलवाया गया था।

चीन में भी गूंजी तमिलनाडु भगदड़ की पीड़ा

बीजिंग ने 41 मौतों पर जताया दुख कहा-हमारी संवेदना पीड़ितों साथ

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना जतायी बीजिंग, 29 सितंबर (भाषा) चीन ने तमिलनाडु के करूर शहर में अभिनेता एवं नेता विजय की रैली में मची भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सोमवार को गहरी संवेदना जतायी। शनिवार को हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और और कई अन्य घायल हो गए थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेसवार्ता में एक सवाल के उत्तर में कहा, "हम पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा उनके परिजन और घायलों के प्रति भी हमारी संवेदना है।" उन्होंने कहा कि भारत स्थित चीनी दूतावास ने संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी भी चीनी नागरिक के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

भारत से हारने के बाद फूटा पाकिस्तानियों का गुस्सा

बोले- इंडिया आई लव यू हमारे खिलाड़ियों को तोपों के सामने बांधकर...

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। भारत में जश्न का माहौल है, जबकि पाकिस्तान में हार के बाद गुस्से और बौखलाहट का सैलाब उमड़ पड़ा। भारतीय खिलाड़ियों की शानदार खेलकुशलता ने पाकिस्तान की टीम और उसके समर्थकों को पूरी तरह शर्मसार कर दिया।यूट्यूबर शोएब चौधरी ने मैच के बाद पाकिस्तानी फैंस से बातचीत की। अधिकांश फैंस हार से नाराज थे और हारिस रऊफ व इँ पर भड़कते हुए आरोप लगाए।

एक फैन ने अपने खिलाड़ियों को गालियां निकालते हुए कहा कि इंडिया आई लव यू बाप बाप ही होता है इनको जूते मारने चाहिए। एक अन्य पाक फैन ने कहा, 'पाकिस्तान का भारत के हाथों हारना आदत बन गई है। इन्हें तोपों के सामने बांधकर सलामी देनी चाहिए।'कुछ ने तो टीम के स्वागत पर अंडे और टमाटर फेंकने की बात तक कही।कई फैंस ने हारिस रऊफ की गेंदबाजी को कमजोर बताया। एक फैन ने कहा, 'रऊफ ने बिल्कुल भी पेशेवर गेंदबाजी नहीं दिखाई। अगर उन्होंने सही प्रदर्शन किया होता तो मैच जीत सकते थे।'

दूसरे फैन ने कहा, 'मैच एंटरटेनिंग था, लेकिन भारत ने दबाव में बेहतर खेल दिखाया।' पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज वसीम अकरम ने भी भारतीय खिलाड़ी तिलक वर्मा की तारीफ की। तिलक ने 41 गेंदों में अर्धशतक और अगले 12 गेंदों में 19 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और चार छक्के शामिल थे, जिनमें से एक आखिरी ओवर में भी लगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)